RNI.No.MPHIN/25/A3054

दैनिक नर्मदा न्यूज़
TO THE POINT

www.narmadanewsttp.com

सुविचार

सत्य बोलते समय हमारे शरीर पर कोई दबाव नहीं पड़ता, लेकिन झूठ बोलने पर हमारे शरीर पर अनेक प्रकार का दबाव पड़ता है, इसलिए कहा जाता है कि सत्य के लिये एक हाँ और झूठ के लिये हज़ारों बहाने ढूंढने पड़ते हैं।

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 158 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, गुरुवार 27 नवंबर, 2025 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

बंगाल में बाबरी मस्जिद शिलान्यास के पोस्टर लगे

● टीएमसी विधायक बोले- 6 दिसंबर को नींव रखेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए। इन पर लिखा है– 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा। तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया है। खुद कबीर ने मंगलवार को कहा, हम 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। तीन

साल में इसका निर्माण पूरा होगा। कार्यक्रम में कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। अयोध्या में विवादित ढांचा 6 दिसंबर 1992 को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया था। अगले महीने बाबरी विध्वंस के 33 साल पूरे हो जाएंगे। टीएमसी विधायक का कहना है कि इसी मौके पर यह आयोजन किया जाएगा। टीएमसी विधायक का यह बयान तब सामने आया है जब मंगलवार को अयोध्या में पीएम मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण का मतलब है मंदिर अब पूर्ण हो गया। 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। भाजपा ने इसकी कड़ी आलोचना की है।

रायसेन के गौहरगंज में फिर भारी बवाल

● पथराव के बाद पुलिस का लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े

भोपाल। रायसेन के गौहरगंज में फिलहाल अघोषित कर्फ्यू के हालात हैं। लोग घरों में बंद हैं। सड़कें सुनसान हैं। 6 जिलों की पुलिस ने मोर्चा संभाल रखा है। 500 से अधिक जवान हालात पर नजर रख रहे हैं। क्विक रिस्पॉन्स फोर्स भी मौके पर है। डीएसपी प्रशांत खरे के मुताबिक, हालात कंट्रोल में हैं। हालांकि, 6 साल की बच्ची से रेप का आरोपी सलमान उर्फ नजर फरार है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश कर रही हैं। इससे पहले सलमान की गिरफ्तारी की मांग को लेकर वारदात के पांचवें दिन बुधवार को गौहरगंज के स्कूल ग्राउंड में शांतिपूर्वक धरना–प्रदर्शन किया गया। इसके

बाद लोग अपने–अपने घरों की ओर लौटने लगे। इसी दौरान कुछ युवकों का झुंड मुस्लिम बावली बस्ती की ओर जाने लगा। पुलिस ने उन्हें रोका, हल्का लाठी चार्ज भी किया। इससे नाराज होकर युवकों ने पुलिस के ऊपर पत्थरबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े तो उपद्रवी भाग निकले। भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने गौहरगंज रेप केस के आरोपी को जल्द पकड़ने और कड़ी सजा देने की मांग की है। उन्होंने मामले में हो रहे विरोध प्रदर्शन को खत्म करने की बात भी की। उन्होंने कहा– जो पुलिस आरोपी को खोजकर पकड़ने में लगती, वो प्रदर्शन के कारण लॉ एंड ऑर्डर को कंट्रोल करने में लगी है। शुक्रवार रात हुई इस घटना के बाद बच्ची को भोपाल एम्स के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना राज्य सरकार के लिए गर्व का विषय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है। भारत की प्राचीन संस्कृति में खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का माध्यम माने गए हैं। पुराने समय में नौकायन, तैराकी और जल प्रशिक्षण को सामरिक और शारीरिक दक्षता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। वही परंपरा आज वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में हमारे सामने है। इसमें तकनीक, सहन शक्ति और फोकस का वास्तविक परीक्षण

होता है। राज्य सरकार के लिए रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना गर्व और आनंद का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आयोजन स्थल पहुंचने पर उन्हें कैप लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के लिए बेहतर माहौल बना है।

कमला पसंद कंपनी के मालिक की बहू ने कर ली आत्महत्या

भाई का आरोप-पति और सास मारपीट करते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (40) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में मंगलवार शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दीप्ति का शव पंखे से लटका हुआ मिला। दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा, अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर उस रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। अब और नहीं सहन हो पाता। बेटे को मां का आशीर्वाद। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे। दीप्ति की 2010 में हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों का 14 साल का एक बेटा है। बताया जा रहा है कि हरप्रीत ने दो शादियां की हैं। दूसरी पत्नी दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक्ट्रेस हैं। उसके साथ भी हरप्रीत की एक बेटी है। दीप्ति चौरसिया के भाई ऋषभ ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मेरे जीजा (हरप्रीत) के कई अवैध संबंध थे। शादी के बाद से ही दोनों के अच्छे संबंध नहीं थे। 2011 में भांजे की डिलीवरी के बाद हमें पता चला कि जीजा और सास मेरी बहन के साथ मारपीट करता है।

संसद के सेंट्रल हॉल में मना देश का 150वां संविधान दिवस

● संविधान दिवस पर अपना संविधान 9 नई भाषाओं में हुआ जारी ● मुर्मू बोलीं-तीन तलाक खत्म करना सरकार का ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने बताया- अनुच्छेद 370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी। दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दोनों सदनों के सांसद शामिल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को खत्म करके संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी, जो आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, देश की आर्थिक एकता मजबूत करने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से एक ऐसी रुकावट दूर हुई, जो देश की राजनीतिक एकता में बाधा बन रही थी। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के लिए एक नया दौर शुरू करेगा।

अंबेडकर संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, संविधान दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। 26 नवंबर 1949 को इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत का संविधान तैयार करने का काम पूरा किया था। इसी दिन 'हम भारत के लोग' ने अपने संविधान को अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद संविधान सभा ने अंतरिम संसद का काम भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, हमारे संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुवादित संस्करण को 9 भाषाओं में जारी किया। इनमें मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया शामिल हैं। इस पहल के बाद अब भारत का संविधान इन भाषाओं में भी उपलब्ध होगा।

जम्मू-कश्मीर के लोगों ने दिखाई संविधान की ताकत

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि 2024 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में लोगों ने बड़ी संख्या में वोट डालकर दुनिया को फिर दिखा दिया कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए बिहार चुनावों में भी भारी मतदान हुआ, खासकर महिलाओं ने रिकॉर्ड संख्या में वोट डाले। यह भारतीय लोकतंत्र के ताज में एक और कीमती हीरा जोड़ने जैसा है। उपराष्ट्रपति ने संविधान सभा की महिलाओं के योगदान की भी सराहना की और कहा कि उनका योगदान अतुलनीय और ऐतिहासिक था, जिसने भारतीय लोकतंत्र को और मजबूत आधार दिया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारा संविधान देश के महान नेताओं ने संविधान सभा में तैयार किया था।

शिक्षा का उद्देश्य है समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना: राज्यपाल मंगूभाई पटेल

● राज्यपाल डॉ. बीआर अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विवि महू के 7वें दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाना नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। आप सभी युवाओं को डॉ. अम्बेडकर के सपनों का भारत बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी, जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर प्राप्त हो। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मूल मंत्र को याद दिलाया और बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और विचारों से प्रेरणा लेने का आहवान किया। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को डॉ. बीआर अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू के 7वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संविधान के शिल्पकार और युग पुरुष डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। राज्यपाल श्री पटेल ने संविधान दिवस के अवसर पर उपस्थितजनों के

साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय के सामाजिक न्याय के दूत हैं।

सीहोर की वीआईटी यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स ने फिर लगाई आग

● घटिया खाना-पानी के विरोध में 4 हजार छात्रों का हंगामा

सीहोर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सीहोर की वीआईटी यूनिवर्सिटी में छात्रों का उग्र प्रदर्शन बुधवार को भी जारी है। यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग में कुछ छात्रों ने सुबह फिर आग लगा दी। हालात बिगड़ते देख कैंपस में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम कैंपस में पहुंची है। सभी छात्रों के मेडिकल टेस्ट के लिए ब्लड सैंपल लिए जा रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी में भोजन और पानी की खराब

क्वालिटी के कारण उनके कई साथियों को पीलिया हो गया है। 100 छात्र अस्पतालों में भर्ती हैं। उनका दावा है कि कुछ की मौत भी हुई है। उन्होंने जब विरोध में आवाज उठाई तो गार्ड ने उनके साथ मारपीट कर दी। इसका वीडियो भी सामने आया है। मारपीट की घटना के बाद मंगलवार रात 4 हजार छात्रों ने कैंपस में बस और कारों में आग लगा दी। 5 थानों से पुलिस बल बुलाना पड़ा। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने 30 नवंबर तक अवकाश घोषित कर दिया है। इसके बाद स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी छोड़कर जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने बताया, खराब पानी के कारण प्रोटेस्ट किया जा रहा है और कोई वजह नहीं है। छात्रों के बीमार होने की जानकारी मुझे नहीं है।

मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन– पूरे मामले की जांच के लिए निजी विवि विनियामक आयोग ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी में हमीदिया कॉलेज के प्रिंसिपल अनिल शिवानी, एमवीएम कॉलेज के प्रोफेसर संजय दीक्षित और गांधी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. लोकेन्द्र दवे शामिल है।

देश की सीमाओं की सुरक्षा अब बिहार से !

विस्फोटक यूनिट और हथियार फैक्ट्री का है प्लान

● '1 करोड़ नौकरी' के लिए सीएम नीतिश का रोडमैप

पटना (एजेंसी)। बिहार में डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि उद्योगों का जाल बिछाने के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा। डिफेंस कॉरिडोर देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित

करने में सहायक होंगे। डिफेंस कॉरिडोर के तहत विस्फोटक उत्पादन इकाइयां स्थापित होंगी। जिसमें पाकिस्तान और चीन सहित देश की सभी सीमाओं पर सैन्य अभियानों में उपयोग होने वाले विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्रियां स्थापित होंगी, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल देंगी।

रक्षा उपकरणों के लिए विशेष सेमीकंडक्टर पार्क की होगी स्थापना– इसके अलावा स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में रक्षा-संबंधी फैक्ट्रियां, माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज पार्क और औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। साथ ही रक्षा उपकरणों के लिए आवश्यक चिप और इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण के लिए एक विशेष सेमीकंडक्टर पार्क बनाया जाएगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी (आईटी और इनोवेशन हब) और फिनटेक सिटी (फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी केंद्र) बनाए जाएंगे, जो रक्षा के साथ-साथ आईटी और फाइनेंस सेक्टर को भी बढ़ावा देंगे। 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया है।

5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने एक्स पर लिखा– अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय–2 के तहत वर्ष 2020–25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025–30) में सरकार ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नीतिश कुमार ने कहा कि नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए सरकार ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल मिला है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अब 250 आरोग्य मंदिर

1000 से ज्यादा जगहों पर खोलेगी रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शक्ति नगर से 70 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक एवं सामान्य दवाओं की निशुल्क उपलब्धता, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, जरूरी टीकाकरण जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में अब तक लगभग 250 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किये जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य

दिल्ली में 1000 से अधिक आरोग्य मंदिर स्थापित करने का है। बड़े अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए कॉलोनी स्तर पर ऐसी स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत आवश्यक है।
सरकार का यह भी लक्ष्य है कि राजधानी की प्रत्येक विधानसभा में कुल 15 ऐसे केंद्र खोले जाएं। उन्होंने आवश्यक नागरिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में विफल रहने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दशकों के शासन के बाद भी राष्ट्रीय राजधानी के बड़े हिस्से में अब भी पानी और सीवर लाइनों का अभाव है।

इन जगहों पर हुई शुरुआत

आयुष्मान आरोग्य मंदिर की शुरुआत एमसीडब्ल्यू बुराड़ी, बख्तावरपुर गांव, सामुदायिक भवन नबी करीम, देव नगर, घेवरा गांव, सी ब्लॉक सुल्तानपुरी, एस ब्लॉक मंगोलपुरी, एमसीडब्ल्यू सेंटर विवेक विहार, डीजीडी कड़कड़डूमा कोर्ट, एमसीडब्ल्यू टैगोर गार्डन, फतेह नगर सहित 70 स्थानों पर हुई है।
ये सुविधाएं मिलेंगी- आरोग्य मंदिर में मुफ्त में कई तरह की जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसमें नियमित स्वास्थ्य जांच, 14 से अधिक प्रकार की पैथोलॉजिकल जांच (जैसे ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया, डेंगू) और 79 अन्य एडवांस जांचें (जैसे लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, थायरॉयड) शामिल हैं।

दिल्ली रोहिणी में बेकाबू एसयूवी गेट-दीवार तोड़ घर में घुसी

बाल-बाल बची बुजुर्ग महिला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-25 में सोमवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक बेकाबू तेज रफ्तार एसयूवीकार सीधे एक मकान के अंदर जा घुसी।
सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि रात करीब 1:30 बजे सफेद रंग की ये लग्जरी एसयूवी अचानक अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर चढ़ी, फिर जोरदार टक्कर मारते हुए घर के लोहे के मुख्य गेट को तोड़कर अंदर घुस गई। कार की स्पीड इतनी तेज थी कि गेट के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी घर के अंदर लगभग 15-20 फीट तक चली गई।

अचानक मौत ने दी दस्तक

घर में उस वक्त 70 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला बिस्तर पर लेटी हुई थीं। गनीमत रही कि कार ठीक उनके बगल में रुकी, चंद इंच का फासला बचा था। महिला को मामूली चोटें आईं, लेकिन जान बच गई। पर घर का सारा सामान बिखर गया टीवी, फ्रिज, सोफा, अलमारियां सब तहस-नहस हो गए।
ड्राइवर फरार, पुलिस तलाश में जुटी
हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में शक है कि ड्राइवर या तो नशे में था या फिर तेज रफ्तार के साथ फोन पर व्यस्त होने से नियंत्रण खो बैठा।

दिल्ली वाले तैयार हो जाइए!

सुबह - शाम और बढ़ेगी ठंड; धुंध भी करेगी परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यह स्थिति अगले दो दिन जारी रह सकती है। उत्तरी हवाओं के कारण तापमान में कमी के संकेत हैं।

सबसे कम तापमान किया गया दर्ज- मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को राजधानी में सबसे कम न्यूनतम तापमान आया नगर में 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है। राजधानी में नमी का स्तर अधिकतम 100 फीसदी तथा न्यूनतम 42 फीसदी दर्ज किया गया।

दो दिनों में और गिरेगा पारा- अनुमान है कि अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा सकता

है। वहीं, न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बुधवार सुबह धुंध छाए रहे रहने तथा दोपहर में मौसम साफ होने की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 24 तथा न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

दुकान में लूट का विरोध कर रहे पान विक्रेता की हत्या; मुठभेड़ में आरोपी को लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पटेल नगर पुलिस ने पान विक्रेता की हत्या में फरार आरोपी को मंगलवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस मुठभेड़ में आरोपी मोहम्मद मेहताब घायल हो गया है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वेस्ट पटेल नगर में सोमवार रात को कुछ बदमाशों ने लूटपाट का विरोध करने पर दुकान में बैठे पान विक्रेता की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज कर लिया। इंस्पेक्टर अनिल कुमार की देखरेख में एसआई शिवम एवं एसआई पीयूष वत्स की टीम ने जांच शुरू की।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार रात को मालूम हुआ कि वारदात में शामिल मोहम्मद मेहताब शादीपुर फ्लाईओवर के नीचे आया हुआ है। इस जानकारी के आधार पर एसएचओ पटेल नगर की टीम ने आरोपी को फ्लाईओवर के नीचे घेर लिया।

मेहताब ने भागने के दौरान पुलिस पर एक राउंड फायरिंग की। लेकिन पुलिस ने बचने के लिए दो राउंड फायर किया जिसमें मेहताब की दाईं जांघ में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने उसे काबू में कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है।

गैंगेस्टर काला राणा गिरोह का शार्प शूटर अरेस्ट- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंगस्टर काला राणा गिरोह के शार्प शूटर अर्जुन को गिरफ्तार किया है। इसपर यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, मोहाली और जीरकपुर में जबरन वसूली और हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। इसके पास से पिस्तौल और चार कारतूस बरामद हुए हैं।

दिल्ली धमाके ने छीन लिया कश्मीरी महिला का आशियाना, बोलीं- ये शहर मुझे नहीं चाहता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट ने एक महिला से उसका आशियाना ही छीन लिया है। जिस दिल्ली में वह 13 साल रही, उस देश की राजधानी में उसे कोई किराया का घर देने तको तैयार नहीं है। कश्मीरी महिला का कहना है कि यह वह जगह है जहां मैंने दोस्त बनाए, अपनी पहचान बनाई और शुरू से अपनी जिंदगी बनाई, लेकिन यह बहुत पराया सा महसूस हुआ। मारिया नाम की महिला ने दुखी स्वर में कहा कि जिस शहर में मैं 13 साल तक रही, वह मुझे अब नहीं चाहता,लेकिन न तो इस महिला का नाम दिल्ली बम ब्लास्ट से जुड़ा है और न ही इसका कोई उस धमाके से वास्ता है,पर फिर क्यों दिल्लीवाले मारिया को घर देने से मना कर रहे हैं।

आइए जानते हैं। इस महीने काम से तीन महीने की छुट्टी के बाद जब मारिया बिलाल दिल्ली लौटीं, तो उन्हें किराये पर रहने के लिए घर नहीं मिल पाया। 36 वर्षीय कम्युनिकेशन प्रोफेशनल मारिया ने कहा, ऐसा लगा जैसे जिस शहर में मैं 13 साल तक रही, वह मुझे अब नहीं चाहता।

यह वह जगह है जहां मैंने दोस्त बनाए, अपनी पहचान बनाई और शुरू से अपनी जिंदगी बनाई, लेकिन यह बहुत पराया सा महसूस हुआ। मारिया ने अपना पूरा कामकाजी जीवन दिल्ली में ही बिताया है। चूंकि वह लाजपत नगर का जिस घर में पिछली बार रहती थीं, वह अब उपलब्ध नहीं था, इसलिए मारिया ने ब्रोकरों से संपर्क किया।

लाल किले ब्लास्ट को 15 दिन बीत गए लेकिन पीड़ितों के जख्म अभी भी हैं ताजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला के पास हुए ब्लास्ट ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। इस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई वहीं 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 10 नवंबर को हुए इस धमाके को पूरे 15 दिन हो गए, लेकिन पीड़ितों की जिंदगी अभी भी उसी पल में अटकी हुई है।

रात को चीखकर उठता है 21 साल का लड़का- टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 21 साल के राहुल कौशिक कनॉट प्लेस में 3डी एनिमेशन का कोर्स कर रहा था। हर सोमवार वह दोस्त अंकुश के साथ गौरी शंकर मंदिर जाता था। उस दिन भी गया। धमाका हुआ तो राहुल कई मीटर दूर जा गिरा। खून बह रहा था, फिर भी उठा और अंकुश को ढूंढने दौड़ा। अंकुश मिला, लेकिन उसकी एक आंख हमेशा के लिए चली गई। राहुल को बाएं कान से बिल्कुल सुनाई दे रहा। दाहिने कान भी ठीक से काम नहीं कर रहा। रात में तीन-चार घंटे से ज्यादा

नींद नहीं आती। आंख बंद करते ही सब वापस लौट आता है। वह चीखकर उठ जाते हैं, सांस फूलती है और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। अब वो कॉलेज नहीं जा रहे, घर से बाहर भी नहीं निकलते।

नौकरी गई, शादी टल गई- दरियागंज की 23 साल की शाइना का बायां कान भी काम नहीं कर रहा। दाहिने कान से भी कम सुनाई देता है। अस्पताल से लौटी तो ऑफिस ने नौकरी से निकाल दिया।

घर का इकलौता कमाने वाला, अब चल नहीं सकता

33 साल के कैब ड्राइवर भवानी शंकर शर्मा उसी विस्फोटक कार के ठीक पीछे थे। दाहिना चेहरा और हाथ जख्मी हो गया। पैर की मांसपेशियां फट गईं। डॉक्टरों ने कहा कम से कम छह महीने काम नहीं कर पाएंगे। गाड़ी जल गई, कमाई बंद हो गई। डॉक्टर के पास जाने के लिए दूसरी कैब में बैठे तो पैनिक अटैक आया। आज भी कान में वही घंटियां और चीखें गूंजती हैं। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि धमाके को 15 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार की ओर से किसी भी पीड़ित को अब तक कोई आधिकारिक मनोवैज्ञानिक सहायता या काउंसलिंग नहीं दी गई है।

एक ग्रुप और 340 लोग

दिल्ली में नक्सल प्रेमियों के फोन से निकल रही 'साजिश'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान लगाए गए नक्सली नारों और पुलिसकर्मियों पर हुए मिर्ची हमले के पीछे पुलिस को सुनियोजित साजिश की आशंका है। दिल्ली पुलिस ने 22 स्टूडेंट्स की गिरफ्तारी के बाद उनके फोन को जब्त किया है। पुलिस एक सप्ताह पुराने वॉट्सऐप ग्रुप पर हुई बातचीत की भी जांच कर रही है।

उस दिन शाम के समय इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में लोग वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए थे, जिनमें अधिकतर स्टूडेंट्स थे। पुलिस का कहना है कि इन लोगों ने ट्रैफिक को रोक दिया और इसमें कई एंबुलेंस भी फंस गए। जब प्रदर्शकारियों को सड़क से हटाने की कोशिश की गई तो इनमें से कई झड़प करने लगे और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे से हमला कर दिया। पिछले दिनों एनकाउंटर में मारे गए खूंखार नक्सल कमांडर माडवी हिडमा के लिए नारे भी लगाए गए और उसकी तुलना बिरसा मुंडा से करते हुए पोस्टर लहराए गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, चूंकि सभी स्टूडेंट ज्यूडिशियल कस्टडी में है, हमारे पास उनके फोन हैं और हम उनके सोशल मीडिया ग्रुप्स की जांच कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी हिमखंड और भगत सिंह छात्र एकता मंच जैसे सगंठनों से जुड़े हुए हैं। वे दो वॉट्सऐप ग्रुप में एक्टिव थे। इनमें से एक पिछले सप्ताह क्रिएट किया गया था जिसमें 340 सदस्य थे। ऐसा प्रतीत होता है कि अवैध गतिविधियों की प्लानिंग के लिए इसे बनाया गया था। पुलिस ने 15 पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए हैं, जिन्हें मिर्ची स्प्रे से हमले और झड़प के बाद आरएमएल हॉस्पिटल ले जाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक जख्मी पुलिसकर्मियों ने बताया कि उन पर मिर्ची स्प्रे डाला गया और पिन चुभाया गया। वे कानून व्यवस्था तोड़ने की तैयारी के साथ आए थे। उनके पास पिन और 6 स्प्रे बोतलें थीं, जिन्हें जब्त किया गया है।पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं मांगी थी। उन्हें सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए इस प्लान का पता चला। अधिकारी ने बताया कि वॉट्सऐप ग्रुप को चलाने वाले कई सदस्य अब हिरासत में हैं। अधिकारी ने कहा, कुछ को पहले भी प्रदर्शन में हिरासत में लिया गया था। पहली बार बात इतनी आगे बढ़ी।

डीसीपी (न्यू दिल्ली) देवे श कुमार महला ने कहा कि महिलाओं पर कथित हमले, जानबूझकर चोट पहुंचाने, लोक सेवकों के काम में बाधा डालने, वैध आदेशों की अवहेलना करने और आपराधिक साजिश के आरोप में दो एफआईआर दर्ज की गईं।

दिल्ली की जहरीली हवा से बच्चे हुए बीमार, अमेरिकन मां शहर छोड़ने को हुई मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अमेरिकन महिला डाना मैरी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि दिल्ली उन्हें बहुत पसंद थी, लेकिन शहर की खराब हवा ने उनके जुड़वां बच्चों की सेहत बिगाड़ दी। तीन साल दिल्ली में रहने के बाद उन्हें मजबूरन अमेरिका वापस जाना पड़ा। डाना ने लिखा, दिल्ली मेरे लिए अब्यूसिव रिलेशनशिप जैसी थी। ज्यादातर समय बहुत अच्छा, लेकिन सर्दियों में जहरीला और खतरनाक। 70 फीसदी दिन ठीक थे, बाकी 30 फीसदी दिन बच्चों के लिए जानलेवा। अमेरिका जाने के बाद भी भारत से मोहब्बत खत्म नहीं हुई। रिसर्च की तो पता चला कि देश में कई शहर हैं जहां हवा अभी भी साफ है। नतीजा ङ्क पूरा परिवार बेंगलुरु शिफ्ट हो गया। अब उनके बच्चे वहां खुली हवा में खेलते हैं। उन्होंने लिखा, हर किसी के पास शहर छोड़कर भागने का विकल्प नहीं है और न ही होना चाहिए। अब कुछ करना होगा। हमारे बच्चे इस कीमत क्यों चुकाएं?

सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं

महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी। वीडियो वायरल होते ही लोगों ने कहा कि पिछले 25 साल से यही हाल है। एक यूजर ने कहा कि मैं 8 साल पहले बेंगलुरु आ गया। दिल्ली में परिवार 790 एक्यूआई झेल रहा है, यहां मेरा घर 48 दिखाता है। देखकर दुख होता है। एक अन्य यूजर ने कहा, अगर हर माता-पिता को इतना दर्द होता तो अब तक कुछ बदल गया होता। लोग जहर को नॉर्मल मान चुके हैं। हर मामले में दिल्ली सबसे खराब शहर है।

बैंक मैनेजर ने 14वीं मंजिल से कूद दी जान, घरवालों को वॉट्सऐप पर सुसाइड नोट भेज बताई वजह

गाजियाबाद, एजेंसी। यूपी के गाजियाबाद जिले में मंगलवार को एक बैंक मैनेजर ने एक बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान चालीस वर्षीय रोहित बत्रा के रूप में हुई, जो कि हापुड़ में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में बतौर ब्रांच मैनेजर नौकरी कर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्मघाती कदम उठाने से पहले रोहित ने परिजनों को वॉट्सऐप पर एक सुसाइड नोट भी भेजा था, जिसमें उसने संपत्ति विवाद की वजह से मानसिक तनाव में होने का जिक्र किया। बत्रा ने जिस इमारत से कूदकर जान दी, उसकी सातवीं मंजिल पर उसका एक फ्लैट भी था, लेकिन वह हापुड़ में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार इस घटना के बारे में उस वक्त पता चला जब राजनगर एक्सटेंशन इलाके की सोसाइटी में तैनात गार्ड ने एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी। जिसके बाद वह तुरंत आवाज वाली जगह पर दौड़कर गया, वहां पर उसने एक शख्स को जमीन पर गिरा हुआ और खून से लथपथ पड़ा हुआ पाया।

मामले की जानकारी देते हुए एसीपी उपासना पांडे ने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और फिर घायल मिले शख्स को पास के अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पास युवक की मौत की सच्चाई का पता लगाने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस जानना चाहती थी कि रोहित चौदहवीं मंजिल पर कैसे पहुंचा था, और क्या उसके साथ कोई और भी था।

गाजियाबाद के किसानों का 15 साल का इंतजार खत्म, आज से मिलेंगे भूखंड

गाजियाबाद , एजेंसी। मधुबन बापूधाम योजना से प्रभावित किसानों का 15 साल का इंतजार खत्म होगा। उन्हें अब भूखंड मिलेंगे। 27 और 28 नवंबर को जीडीए हिंदी भवन में किसानों को भूखंड देने के लिए ड्रॉ निकालेगा। दो चरणों में होने वाले ड्रॉ में 647 भूखंड दिए जाएंगे। इसके बाद किसान इनका नक्शा पास कराके निर्माण कर सकेंगे। जीडीए ने वर्ष 2004 में छह गांव की करीब 1,234 एकड़ जमीन पर मधुबन बापूधाम योजना लॉन्च की थी, जिसमें से 800 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया। फिर 153 एकड़ और मिल गई और इसे भी विकसित किया।

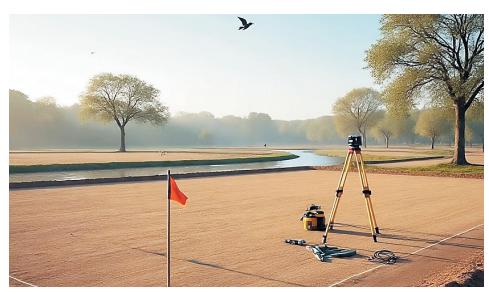

जबकि बची हुई 281 एकड़ जमीन के किसान सुप्रीम कोर्ट चले गए।

साल 2016 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अंत में जीडीए ने नए भू अधिग्रहण कानून के तहत 281 एकड़ जमीन के किसानों को मुआवजा देते हुए जमीन का अधिग्रहण किया। इस फैसले के बाद 800 एकड़ जमीन के किसान भी नए भू अधिग्रहण कानून के तहत बढ़े मुआवजे की मांग कर रहे हैं। साथ ही सभी किसान जमीन दिए जाने की एवज में मिलने वाले भूखंडों की भी मांग कर रहे हैं।

अब जीडीए सभी किसानों को उनकी जमीन की एवज में नियमानुसार भूखंड देगा।

दिल्ली में गद्दों के नीचे दबने से 2 साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में सोमवार दोपहर को गद्दों के नीचे दबने से दो साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान दो साल के देवराज के तौर पर हुई है। पंकज कुमार परिवार के साथ निलोठी गांव में रहते हैं। पंकज का खराब रजाई गद्दों की बिक्री का काम है। सोमवार को घर के बाहर टेम्पो खड़ा था और इसमें कुछ गद्दे रखे हुए थे। इसी दौरान देवराज अपने पांच साल के भाई और पड़ोस के बच्चे के साथ टेम्पो में खेल रहा था। वह खेलते-खेलते टेम्पो में सो गया और दोनों बच्चे वहां से चले गये। इस बीच परिजनों ने बच्चे का ध्यान नहीं दिया।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य पंजीयन के बिना किराना दुकान का संचालन करने पर दस हजार रू जुर्माना

रायसेन (निप्र)। न्यायालय न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री मनोज उपाध्याय द्वारा मुकेश किराना स्टोर के संचालक श्री मुकेश नायक निवासी सेहतगंज पर बिना पंजीयन के खाद्य व्यवसाय का संचालन करने पर दस हजार रू का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही 15 दिवस में जुर्माना राशि निर्धारित शासकीय मद में जमा कराने के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कल्पना आरसिया द्वारा 30 जुलाई 2024 को सेहतगंज में मुकेश किराना स्टोर का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान किराना दुकान का संचालन बिना खाद्य पंजीयन के करना पाया गया। जिस कारण किराना दुकान के संचालक श्री मुकेश नायक पर दस हजार रू का जुर्माना लगाया गया है।

अवैध शराब के विरूद्ध की गई कार्रवाई

350 किलो महुआ लाहन एवं 30 लीटर कच्ची मदिरा जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन और विक्रय के विरूद्ध निरंतर कार्यवाहियां की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी श्री दीपसिंह राठौर ने बताया कि इछावर तहसील के ग्राम बिछोली, जामली एवं फांगिया में आबकारी विभाग की टीम द्वारा दबिश दी गई और आबकारी अधिनियम के तहत 05 प्रकरण कायम किए गए। टीम द्वारा इस कार्रवाई में 350 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 30 लीटर कच्ची मदिरा जब्त की गई। जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 41 हजार रूपये है। यह कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक श्री माधव कुण्डल, आबकारी मुख्य आरक्षक विजय कुमार शर्मा, आबकारी आरक्षक श्रीमती प्रियवंदना पाण्डे, प्रियंका यादव, राहुल सिंह चौधरी द्वारा की गई।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में राजमिस्त्री का 30 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

हरदा (निप्र)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हरदा में 24 नवम्बर से 30 दिवसीय राजमिस्त्री का प्रशिक्षण शुभारम्भ हुआ। यह प्रशिक्षण भारत सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रदान किया जा रहा है। जिला पंचायत हरदा की जनपद पंचायत हरदा से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण योजना के तहत प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण हेतु आरसेटी हरदा भेजा गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को आवास निर्माण हेतु कौशल को अच्छे से पारंगत किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड विजिट भी करवा कर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्रमाण पत्र प्रदान दिया जायेगा। परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री मनीष सिंह तंवर ने प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक श्री दिनेश कुमार शाक्य, जिला परियोजना प्रबन्धक ग्रामीण आजीविका मिशन श्री रामनिवास कालेश्वर, जिला प्रबन्धक स्किल श्री राधे श्याम जाट, श्री राजेंद्र इरलावत, श्री मुकेश विश्वकर्मा उपस्थित थे।

ईकेवायसी का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित करें

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय की कार्रवाई शीघ्र करें

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में तीनों आयल कंपनियों के प्रतिनिधि तथा गठित समिति के सदस्य और विभागों के अधिकारी मौजूद रहे रहे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उक्त योजना के तहत सबसे पहले पीएम जन मन और धरती आबा योजना के लगभग 2450 पात्रता धारकों को गैस कनेक्शन दिलाए जाने के लिए ईकेवायसी कार्यो को अभियान के रूप में प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। समिति के सदस्य सचिव और जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत निर्धन परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय के लिए निर्धारित मापदंडों पर गहन प्रकाश डालते हुए ततसंबंध में प्राप्त निर्देशों को सांझा किया है। उन्होंने बतलाया कि प्रधानमंत्री उपरोक्त विषयांतर्गत उज्जवला योजना 3.0 के अन्तर्गत गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय करने के संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एसओपी जारी की गई है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना विस्तारित चरण 3.0 को सुचारू रूप से लागू करने के लिये जिला उज्जवला समिति के गठन एवं हस्ताक्षर की कार्यवाहीं करने के निर्देश दिये गये थे के परिप्रेक्ष्य में कार्य पूरे किए गए हैं। जिलो में का गठन हो गया है, वहा आवेदन पत्र एकत्रित किये जाने की कार्यवाहीं की जा रही है। पात्र हितग्राहियों के केवाईसी आवेदन पत्र एकत्रित किये जाकर उज्जवला पोर्टल पर दर्ज किये जाना है।उक्त के संबंध में जिला स्तर पर यह बैठक का आयोजन कलेक्टर की अध्यक्षता में किया गया है।जिसमें जिला आपूर्ति नियंत्रकध्अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी , सेल्स ऑफिसर ऑयल कंपनी तथा गैस एजेंसियों के प्रबंधक आदि को उक्त निर्देशों के अंतर्गत नवीन गैस कनेक्शन जारी करने हेतु केवाईसी आवेदन पत्र लिये जाने, जारी एवं कनेक्शन उपलब्ध कराये जाने के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया से अवगत कराया जाये। उक्त कार्यवाहीं की जानकारी संचालनालय को अवगत कराने की प्रक्रिया संपादित की जाएगी।

नीमपानी-आमागोहान के किसान बुदनी के आईटीसी बायोधान सेंटर के लिए रवाना

बैतूल (निप्र)। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के कृषकों के दल को नरवाई प्रबंधन के अध्ययन के लिए सोमवार को बुदनी के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर कार्यालय परिसर में अपर जिला कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने हरी झंडी दिखाकर कृषकों को सीहोर जिले के आईटीसी चैपाल बायोधान सेंटर बगबाड़ा, बुदनी के लिए प्रस्थान कराया। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि आनंद बड़ोनिया ने बताया कि घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम नीमपानी तथा आमागोहान के किसानों को नरवाई प्रबंधन का प्रशिक्षण के लिए भेजा है। आईटीसी बायोधान सेंटर में हैरेक, स्लेशर और राउंड बेलर जैसी उन्नत मशीनें एक साथ संचालित की जाती हैं, जिनकी मदद से धान एवं मक्का की नरवाई को सुरक्षित बेल के रूप में तैयार किया जाता है। जहां किसान नरवाई प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि आनंद बड़ोनिया, सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद मीना, एसएडीओ अल्का कोढापे, एडीए दीपक सरियाम, इंद्रभान सिंह, तुषार राठौर, प्रवीण विश्वकर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रूपये पायें

गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह-वीर' को मिलेगा इनाम

हरदा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 'राह-वीर' योजना शुरू की गई है। योजना की गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर अर्थात दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय में अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह वीर' को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इसके साथ ही चुने हुए 'राह-वीरों' में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जायेंगे।

'राह-वीर' के लिए पात्रता

कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति 'राह-वीर' योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

कैसे चुने जाएंगे 'राह-वीर'

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित 'राह-वीर' को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव, गृह की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी। जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। योजना 21 अप्रैल 2025 से प्रभावशील है। 'राह-वीर' की जानकारी केवल अवार्ड प्रदाय के लिए उपयोग की जाएगी, अन्य किसी कार्य के लिए नहीं। एक 'राह-वीर' को वर्षभर में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। इस योजना के तहत दिए जाने वाले सम्मान की राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी।

डिजिटलाइजेशन कार्य पूर्ण करने पर आमला के बीएलओ सुपरवाइजर का किया सम्मान

बैतूल (निप्र)। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत आमला विधानसभा क्षेत्र 130 में बीएलओ सुपरवाइजर श्री पुरुषोत्तम यादव, श्री अनिल बिंझाड़े, श्री रामप्रसाद पाल ने गणना पत्रकों के डिजिटलीकरण में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण किया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम श्री शैलेंद्र कुमार बडोनिया ने उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया।

तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने किया शा0 पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम का अकादमिक निरीक्षण

संस्थान के उन्नयन हेतु दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। ध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त संचालक डॉ.वायएसठाकुर ने शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम का अकादमिक निरीक्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पीसीनरवरे ने बताया कि अतिरिक्त संचालक, डॉ.ठाकुर ने संस्थान के उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। जिसके अंतर्गत संस्थान की गुणवत्ता, छात्र-प्रदर्शन प्रबंधन, कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, फर्नीचर, मशीनरी व उपकरण की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ आधोसंरचनात्मक विकास और मैनपावर को भी सुदृढ़ करने पर ज़ोर दिया गया। रोजगार-उन्मुखता को बढ़ावा देने हेतु विभागीय स्तर पर संभागीय टीपीओ सेल का गठन प्रक्रिया में है। गठन के बाद यह सेल छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत प्लेसमेंट में मदद करेगा। संस्थान की नियमित फैकल्टी को शोध एवं विकास पर कार्य करने और राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया गया। संस्थान में अधोसंरचना सुधार के लिए एक विस्तृत कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष श्रीदेवेश तिवारी, श्रीअंकुर सक्सेना, श्रीसौरभ कैथवास तथा समस्त व्याख्यातागण और समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीर्थदर्शन योजना के तहत वृद्धजन वैष्णो देवी यात्रा करेंगे

हरदा (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक को जो कि 60 वर्ष से अधिक आयु के है तथा आयकर दाता नहीं है, उन्हें प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत शासकीय खर्चे पर कराई जा रही है। आगामी 1 मार्च 2026 को जिले के वरिष्ठ नागरिक वैष्णो देवी यात्रा करेंगे। संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय ने बताया कि इस यात्रा में हरदा जिले के 179 यात्री, तीर्थ यात्रा पर जायेंगे, जिनमें हरदा तहसील के 44, हंडिया के 19, टिमरनी के 34, रहटगांव के 19, खिरकिया के 34 व सिराली तहसील के 29 यात्री शामिल होंगे। तीर्थ यात्रा के लिये 30 जनवरी तक आवेदन लिये जायेंगे। संयुक्त कलेक्टर श्री राय ने जिले के सभी तहसीलदारों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यात्रा में जाने वाले के 2-2 फोटो व प्रत्येक का फार्म लिया जावे। प्रत्येक फार्म में मेडिकल अनिवार्य रूप से कराया जावे। शासन के निर्देशानुसार यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन यात्रियों की उम्र 65 वर्ष से कम है, उनके साथ सहायक नहीं होगा, यात्री की आयु यदि 60 वर्ष से कम है तो वह यात्रा के लिये पात्र नहीं होगा। महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट रहेगी।

सीएमएचओ द्वारा की गई, मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कार्य की समीक्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। सिविल अस्पताल इटारसी में सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत द्वारा सोमवार 24 नवंबर को नगर की समस्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ.गेहलोत ने अधीक्षक डॉ.आरकेचौधरी को हेडकाउंट सर्वे कराने के निर्देश दिए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद अंतराल को पहचान कर तुरंत भरपाई की जा सके। जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ.सृजन सेंगर ने एएनएम को प्रत्येक गर्भवती महिला की न्यूनतम चार जांच अनमोल पोर्टल में दर्ज करने और टीकाकरण डेटा को युविन पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपलोड करने का निर्देश दिया। बैठक में अधीक्षक ने बताया कि हर माह की 9और25तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती माताओं और शिशुओं के टीकाकरण, क्षय उन्मूलन, मलेरिया नियंत्रण, ब्लड बैंक, ओपीडी तथा आईपीडी जैसी सेवाओं की लक्ष्य उपलब्धि पर प्रकाश डाला गया। डॉ.गेहलोत ने विभागीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को समय पर समाधान करने के लिए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त, 30वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग डेटा को एनसीडी पोर्टल पर दर्ज करने के लिए एलएचवी और एएनएम को विशेष निर्देश दिए गए। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित

दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई संस्थाओं के गठन के लिए किया जाए डोर-टू-डोर सर्वे - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालगुरू के. ने जिले में सहकारी क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण एवं विकास के संबंध विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में पहले से पंजीकृत 108 संस्थाओं के साथ अब तक 27 नई बी-पैक्स संस्थाओं का पंजीयन हो चुका है, जिससे कुल संख्या 135 हो गई है। बैठक में दुग्ध सहकारी संस्थाओं के गठन की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया गया कि तीन संस्थाओं का पंजीयन हो चुका है तथा शेष प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। इस पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई संस्थाओं के गठन के लिए डोर-टू-डोर सर्वे कराने के निर्देश दिए। मत्स्य सहकारी संस्थाओं के संबंध में मनरेगा से बने तालाबों का उपयोग कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा आवश्यक सीड स्टॉक की व्यवस्था करने के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में निष्क्रिय एवं परिसमापनाधीन दुग्ध समितियों के स्थान पर नई समितियों के पंजीयन के निर्देश दिए गए, साथ ही दुग्ध एवं मत्स्य समितियों के शेष सदस्यों के बैंक खाते शीघ्र खोलने का लक्ष्य तय किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए शासकीय निर्देशों के पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए।

नवगठित बी-पैक्स समितियों के लिए कार्यालय भवन एवं भंडारण व्यवस्था हेतु शासकीय भूमि आवंटन, साथ ही कंप्यूटर, फर्नीचर एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था ऋण अथवा वित्तीय सहयोग से करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सहकारी संस्थाओं को पारदर्शी, सशक्त एवं लाभकारी बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए, जिससे जिले में सहकारिता संबंधी कार्यों को नई गति मिल सके।

सोनतलाई एवं करताना में रोजगार मेला सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हरदा द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन सोमवार को ग्राम पंचायत भवन सोनतलाई एवं मंगलवार को ग्राम पंचायत करताना में बस स्टेण्ड पर आयोजित किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनीयो एसआईएस नीमच, प्रतिभा सिंटेक्स, पीथमपुर, प्रथम एज्युकेशन भोपाल एवं वर्धमान फैब्रिक मण्डीदीप, ने सहभागीता कर युवाओं का चयन किया। ग्राम पंचायत सोनतलाई में 32 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें से 12 युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए, ग्राम पंचायत करताना में 45 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से 35 युवकों को विभिन्न कंपनियो व संस्थाओं द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।

संपादकीय

धर्मेंद्र ने खास तरह की अदायगी के बूते सिनेमा में बनाई थी जगह

धर्मेंद्र फिल्मी दुनिया के ऐसे शानदार अभिनेताओं में शुमार किए जाते रहे, जिनके चाहने वाले हिंदी पट्टी से लेकर देश की सीमाओं के पार सिनेमा के आम दर्शकों और मशहूर हस्तियां तक रहे हैं। जाहिर है, धर्मेंद्र के जाने की खबर से हर तबके के सिनेमा प्रेमियों को गहरा धक्का लगा है। हालांकि हिंदी सिनेमा को अपने लंबे दौर में धर्मेंद्र ने जितना दिया है, उसके बूते वे आने वाले समय में उसी शिद्दत से याद किए जाते रहेंगे, लेकिन फिलहाल उनके नाम के साथ जुड़ी तमाम फिल्मों और उसमें उनके अभिनय को याद किया जाना स्वाभाविक है।

यह कहा जा सकता है कि फिल्मी दुनिया के ज्यादातर कलाकारों की अपनी शैली रही है, मगर धर्मेंद्र ने अपनी एक खास तरह की अदायगी के बूते सिनेमा में जो जगह बनाई, उसमें वे लोगों के दिल में बसने लगे। फिल्मों में अपने करिअर की शुरूआत के बाद सुपर स्टार की होड़ के बरक्स वे करीब दो-ढाई दशक तक एक स्थिर छवि में टिके रहे। यह सही है कि धर्मेंद्र अभिनीत फिल्मों के दीवाने रहे लोगों के बीच सबसे पहले 'शोले' के वीरू का किरदार जीवंत हो उठता है, लेकिन उसके अलावा भी धर्मेंद्र ने जिन फिल्मों में काम किया, उसमें एक अलग छाप छोड़ी।आमतौर पर उन्हें एक्शन फिल्मों में 'ही मैन' यानी मजबूत कद-काठी की आकर्षक छवि वाले अभिनेता के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि उनका दायरा इससे काफी बड़ा था। वह चाहे सामाजिक सरोकार वाले मुद्दे पर बनी फिल्म 'सत्यकाम' में अपने आदर्श को लेकर एक जिद्दी नौजवान हो या 'अनुपमा' के संवेदनशील लेखक का किरदार, या फिर इससे इतर 'चुपके चुपके' में अपने हास्य से दर्शकों के बीच एक अलग छवि में सामने आना, वे किसी खास बंधन वाली छवि में कैद नहीं रहे। अलग-अलग भूमिकाओं वाली उनकी फिल्मों की एक लंबी श्रृंखला है। उन्होंने राजनीति में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की, हालांकि सियासत उन्हें रास नहीं आई।

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथो में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है।

(प्रह्लाद सबनानी)

वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है।

भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है। यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है।

पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है।

वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है। नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना।

(7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंकहै)।

विश्वरंग विशेष : लेखक भी खोले आभासी दुनिया के द्वार

संतोष चौबे

आजकल आभासी दुनिया में काफी साहित्यिक हलचल नज़र आ रही है. सामाजिक मेल मुलाकातों पर रोक है, तो बहुत सारे वर्चुअल प्लेट फॉर्म्स पर मुलाकातें हो रही हैं. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कविता संगोष्ठियों, कहानी गोष्ठियों और परिचर्चाओं का दौर है. किताबें ऑनलाइन प्रकाशित की जा रही हैं तो पुस्तक समीक्षाऐं भी अपनी जगह उपस्थित हैं. अचानक नये नेटवर्क्स उभरते दिख रहे हैं जो रचनात्मकता की अभिव्यक्ति की आकांक्षा के कारण और आसपास फैली निगेटिविटी के बीच, जीवन जीने की आकांक्षा से परिचालित हैं.

किसी ने नहीं सोचा था कि साहित्यिक परिदृश्य इतनी तेजी से बदलेगा. गौर से देखें तो ज्ञात होगा कि साहित्यिक आकाश में इस समय सक्रिय लेखकों की एक श्रेणी तो वह है जिसे हम लेखक-पत्रकार कह सकते हैं. पत्रकारिता के अपने मूल व्यवसायिक दायित्व के कारण उन्हें तकनीक के निकट जाना ही पड़ा था और अब वे अपने इस ज्ञान का उपयोग सोशल मीडिया पर साहित्यिक सक्रियता बनाये रखने के लिये भी कर रहे हैं. दूसरी श्रेणी युवा पीढ़ी के रचनाकारों की है जो सूचना तकनीक के आगमन के बाद पैदा हुये और उसके साथ-साथ बड़े हुये. यदि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि और उनकी शिक्षा उन्हें तकनीकी सुविधा प्रदान कर सकती थी तो वे तकनीक की नैसर्गिक समझ के साथ बड़े हुये. तीसरी श्रेणी उन प्रवासी भारतीय लेखकों की है जिन्होंने विदेश में रहते भारत से संपर्क बनाये रखने के लिये या वहाँ की सामाजिक आर्थिक परिस्थिति के अनुरूप अपने व्यवसाय में अग्रणी बने रहने के लिये तकनीक को अपना लिया था और अब वे अपनी साहित्यिक अभिव्यक्ति के लिये भी उसका अच्छा उपयोग कर रहे हैं. चौथी श्रेणी उन युवतम लेखकों की है जो उठते-बैठते, जागते-सोते तकनीक के साथ ही रहते हैं. उन्हें उसके उपयोग में कहीं कोई दिक्कत नहीं.

पर इस साहित्यिक परिदृश्य से वे बड़े नाम लगभग गायब हैं जो सामान्य समय में पत्रिकाओं, संगोष्ठियों और साहित्यिक मंचों की शान हुआ करते थे. कहने की ज़रूरत नहीं कि इसका एक बड़ा कारण तकनीक से उनकी अनभिज्ञता है. मेरी पीढ़ी के कई रचनाकार और मुझसे ऊपर की पीढ़ी के लगभग सभी रचनाकार कम्प्यूटर से एक तरह की वितृष्णा रखते थे. एक समय था जब ये माना जाता था कि कम्प्यूटर तकनीक के आम जीवन में प्रवेश से बेरोजगारी बढ़ेगी और औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्रों, जैसे बैंकिंग में, प्रारंभ में उनका कड़ा विरोध हुआ. अस्सी और नब्बे के दशक में कई बार सिर्फ राजनैतिक पक्षधरता के कारण लेखकों द्वारा स्वयं तकनीक को बुरा मान लिया गया और उसके दूरगामी परिणामों पर, विशेषकर लेखन एवं प्रकाशन पर पड़ने वाले उसके प्रभावों पर लेखन प्रक्रिया और आस्वाद की दृष्टि से कोई विचार नहीं किया गया. लेखक धीरे-धीरे तकनीक से दूर होता गया.

तकनीक ने भी लेखक को साथ लेने की कोई कोशिश नहीं की, विशेषकर हिंदी के लेखक को. पहले तो पूरी बहस भाषा के मानकीकरण पर केंद्रित रही और उस पर कोई आम सहमति हिंदी विश्व में नहीं बनी. फिर इनपुट आउटपुट के माध्यमों पर बहस चली जिसे स्थिर होते होते एक दशक से भी अधिक लग गया। फांट और उस पर आधारित कंटेंट के प्रवाह को भी फांट्स की विविधता बाधित करती थी, कम से कम थोड़ा कठिन तो बनाती ही थी. यूनिकोड के आने के बाद तथा इंस्क्रिप्ट तथा अन्य की बोर्ड के उपलब्ध होने से यह दिक्कत काफी कम हुई है. ग्राफिकल इंटरफेस ने भी कई कामों को सरल बनाया है और अब तो स्पीच से टेक्स्ट जैसे सरल संसाधन उपलब्ध हैं जिन्होंने टाइपिंग की जरूरत को भी समाप्त कर दिया है. अनुवाद के भी कई टूल्स हैं. हालांकि वे अभी औपचारिक अनुवाद ही कर पाते हैं पर शुद्ध और भावात्मक अनुवाद के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है और जल्दी ही ये समस्या सुलझा ली जायेगी. तकनीक की दृष्टि से हिंदी में काम करना अब ज्यादा सरल और सुलभ हो गया है.एक साहित्यकार की दृष्टि से उपरोक्त पैराग्राफ बहुत उबाऊ लग सकता है, पर एक उपयोगकर्ता की दृष्टि से नहीं. प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के जनक बिल गेट्स ने एक दिलचस्प उदाहरण इस संदर्भ में दिया था. उन्होंने बताया कि उनके पिता की कम्प्यूटरों में कोई दिलचस्पी नहीं थी. वे अकाउंट्स के क्षेत्र से आते थे. पर एक बार बिल ने उन्हें कम्प्यूटर पर चल सकने वाले अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर और अकाउंटिंग प्रक्रिया के बारे में बताया. वह अकाउंटिंग की कई जटिल तथा उबाऊ प्रक्रियाओं को सरलता से अंजाम दे सकता था. उनके पिता ने उस पर काम करके देखा और पाया कि उनका काफी समय और श्रम कम्प्यूटर के प्रयोग से बच रहा था जिसे वे दूसरे आनंददायक कामों में लगा सकते थे. फिर वे कम्प्यूटर के प्रशंसक और उपयोगकर्ता बन गये.

लेखक को भी कम्प्यूटर को अपने काम की दृष्टि से देखना चाहिये. हालांकि हर लेखक की अपनी रचना प्रक्रिया होती है, पर कुछ काम वह ज़रूर करता है. जैसे लिखना- यानी लेखन, संपादन और किताब के रूप में संग्रहण, तथा प्रकाशन ङ्क यानी पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशन तथा साहित्यिक मंचों पर अभिव्यक्ति. यह दोनों ही काम कम्प्यूटर पर अब आसानी से किये जा सकते हैं. उनमें से अधिकतर तो अब मोबाईल फोन पर भी संभव है. स्पीच टू टेक्स्ट के टूल्स लिखने को सरल बनाते हैं और स्वप्रकाशन के लिये कई माध्यम उपलब्ध हैं. लगभग सभी पत्र-पत्रिकाओं ने ऑनलाइन प्रकाशन शुरु किया है, जिनमें रचनाऐं प्रकाशित हो सकती हैं. ऑनलाइन मीटिंग टूल्स भी अब चलन में हैं जिन पर जाकर एक मंच जैसा आनंद लिया जा सकता है. लेखक एक तीसरा काम और भी करता है, वह है पढ़ना- हालांकि कई लेखक ये काम अब नहीं भी करते हैं- तो उसके लिये भी डिजिटल पुस्तकालय, किंडल जैसे माध्यम तथा मैग्ज़टर जैसे पत्रिकाओं के समूह उपलब्ध हैं और ये संसाधन बढ़ते ही जायेंगे. तो शुरुआत कहाँ से करें? इस प्रश्न का कोई निर्णयात्मक या निर्देशात्मक उत्तर नहीं हो सकता. रस्ते अलग अलग हो सकते हैं मगर ठिकाना एक ही होना चाहिये. एक संभावित रास्ता ये है. सबसे पहले तो एक लैपटॉप या एक एंड्रायड फोन खरीदें अगर वह पहले से ही आपके पास नहीं है, और उस पर अपने काम के लायक सॉफ्टवेयर या एप्लीकेशन डाल लें. अब ये मत कहियेगा कि आपके पास इसके लिये संसाधन नहीं हैं. शहरी, मध्यमवर्गीय लेखक को इतना तो मैं जानता ही हूँ, और कह सकता हूँ कि वह ये कर सकता है. कम्प्यूटर की कुछ मूल अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त कर लें जिसमें घर के बच्चे आपकी मदद कर सकते हैं. ज्यादा ज़रूरी है कि आप अपना पहला टास्क, जैसे कोई एक कविता या कोई आलेख कम्प्यूटर पर लिखें या बोल कर लिखें और उसे कहीं भेजें.

वर्ग पहेली 5925

1	2		3	4		5	■
6		■	7		■	8	9
10		11		■	12		
■	■		■	■	13		
14	15		16	17	■		■
18		■	19		■	20	21
22		23	■	■	24	■	
25				■	26		

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह भारत देश का सबसे पुराना बैंक है (1895 में स्थापित)(7)
6. नीचे की सतह, पेंदा, पुराणानुसार सात पातालों में से पहला (2)
7. कमरा को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
8. छोटा, निसार, तीन प्रकार के प्राणायामो में से एक (2)
10. रह-रह कर नाचना, कूदना (4)
12. हल्का काला, स्लेटी, सांवला (3)
13. रगड़ना, घर्षित करना, मसलना, परदना (3)
14. भारत की एक प्रमुख नदी जिसके तट पर अहमदाबाद और गांधीनगर जैसे नगर बसे है (5)
18. मर्यादा, पराकाष्ठा, सीमा (2)
19. हैसियत, परत, लेवल (2)
22. टांका लगाना, सीया जाना (3)
25. पितृपक्ष, श्राद्ध पक्ष (4)
26. तपस्या करने वाला, मुनि, तपी (3)

ऊपर से नीचे

1. इस मात्रा में, इस परिणाम में (3)
2. किसी वस्तु आदि पाने की तीव्र और अनुचित इच्छा (3)
3. विस्फोटक पदार्थ, अनलचूर्ण, गन पावडर (3)
4. एक बार सांस लेने का समय, कश, बल (2)
5. किसी पौधे की डाली काटकर दूसरी जगह लगाना या जमा करना (6)
9. तरल पदार्थ में अच्छी तरह मिलना, क्षीण होना, घनिष्ठ होना (3)
11. शीतलक, अनुशीलक, तापहर (3)
12. भगवान श्रीकृष्ण के नामों में से एक (2)
14. साहसी, हिम्मती (4)
15. परिवर्तित करना, स्थानांतरित करना (4)
16. आनंदित, मदयुक्त (2)
17. नदी का किनारा, तट बाण (2)
21. प्रतापी, तेजवाला, शक्तिशाली (3)
23. सर्पराज (2)
24. उबला या पका हुआ चावल (2)

वर्ग पहेली 5924 का हल

दे	वि	का	रा	नी	■	जि	क्र
व	■	य	■	ति	लि	स्म	■
की	क	र	■	कु	■	■	जा
सु	त	■	श	श	क	■	न
त	र	ना		ल	■	बा	की
■	■	ग	या	■	क	■	नं
र	ह	ब	र	■	बा	रू	द
स	वा	ल	■	चे	ला	■	न

अयोध्या में विरासत-आधुनिकता का संगम, विश्वस्तरीय आध्यात्मिक-पर्यटन शहर का तैयार हुआ खाका

(राहुल पराशर)

अयोध्या को विरासत और आधुनिकता के संगम वाले शहर के रूप में विकसित करने की योजना पर काम तेज हो गया है। विजन 2031 में इस पर जोर दिया गया है। 25 नवंबर मंगलवार को राममंदिर में ध्वजारोहण का आयोजन हुआ, कई पीढ़ियों पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा। उत्तर प्रदेश का अयोध्या शहर आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर है, जहां प्राचीन सप्त पुरियों में प्रथम पुरी की आध्यात्मिक पहचान और 21वीं सदी के आधुनिक शहर की आवश्यकताएं एक साथ नया स्वरूप ले रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार किए जा रहे विजन-2031 के तहत अयोध्या को वैश्विक आध्यात्मिक-पर्यटन केंद्र बनाने का व्यापक खाका तैयार किया गया है। यह योजनाएं आठ प्रमुख आयामों में विभाजित हैं, जिनमें आधारभूत ढांचे से लेकर संस्कृति, सुरक्षा और स्वच्छता तक हर पहलू पर अभूतपूर्व परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

सुगम्य अयोध्या

821 एकड़ में बना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बड़े विमानों के लिए तैयार है। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन को 50,000 यात्रियों की क्षमता वाले आधुनिक टर्मिनल में बदला गया है। राम पथ, भक्ति पथ और धर्म पथ जैसे चौड़े मार्गों ने शहर के भीतर आवागमन बेहद आसान किया है।

आधुनिक अयोध्या

जीआईएस आधारित मास्टर प्लान-2031, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, चौराहों पर निगरानी तकनीक और प्रमुख स्थलों पर वाईफाई जैसी सुविधाएँ शहर को तकनीक-समर्थ बना रही हैं। एआर-वीआर आधारित 3डी मेटावर्स पर वर्चुअल रामायण दर्शन की तैयारी चल रही है।

स्वच्छ और सुरम्य अयोध्या

एसटीपी विस्तार, 181 गलियों में बुनियादी ढांचे का विकास, स्वच्छता परियोजनाएं, ग्रीन और इलेक्ट्रिक क्रिमेशन चैंबर, राम की पैड़ी-नयाघाट सौंदर्यीकरण, गुप्तार घाट का पर्यटन विकास और मियावाकी वन जैसे प्रयास शहर को स्वच्छ और आकर्षक बना रहे हैं।

सांस्कृतिक-आध्यात्मिक अयोध्या

81 दीवारों पर 162 म्यूरल, रामायण थीम पर आधारित स्थल, क्वीन हो मेमोरियल पार्क का जीर्णोद्धार, परिक्रमा मार्गों पर सुविधाएँ और प्रमुख कुंडों का विकास सांस्कृतिक विरासत और आस्था दोनों को मजबूत कर रहे हैं।

सक्षम-आयुष्मान अयोध्या

स्कूलों का नवीनीकरण, आईटीआई की स्थापना, बड़े पार्किंग-व्यावसायिक संकुल, नए चिकित्सा भवन, मेडिकल कॉलेज और दो नए अस्पताल अयोध्या को शिक्षा, रोजगार एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई पहचान दे रहे हैं।

आधुनिक शहर की नींव

अयोध्या शहर इन आठों आयामों के साथ तेजी से एक ऐसे मॉडल आध्यात्मिक-आधुनिक शहर में बदल रही है। इसमें हजारों साल पुरानी पौराणिक विरासत और तेज रफ्तार विकास एक साथ सांस लेती दिख रही है। सरकार का दावा है कि आने वाले वर्षों में अयोध्या न सिर्फ भारत बल्कि विश्व के प्रमुख आध्यात्मिक-पर्यटन केंद्रों में अपनी पहचान को और मजबूत करने की ओर अग्रसर होगा।

आज का राशिफल

मेष

आज जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल-पाप ग्रहों की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है।

वृष

राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन

आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कर्क

आज भाग्य वृद्धि कर रहा है। ऐसे में रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है।

सिंह

शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ से आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात तक आपको सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या

आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में आपको सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास सफल होंगे। कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी आपको मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें।

तुला

आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

वृश्चिक

ऐसे में आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। इस दौरान यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

धनु

घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।

मकर

आज कुछ आंतरिक विकार आपको परेशान कर सकते हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत होगा। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

कुंभ

आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि मार्गी उदय चल रहा है। ऐसे में बेवजह के विवाद खड़े होंगे और अनावश्यक शत्रु भी बन सकते हैं। इस दौरान कोई विपरीत समाचार सुनकर आपको अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन

आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें। इससे सम्बन्ध खराब होने का खतरा दिख रहा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।

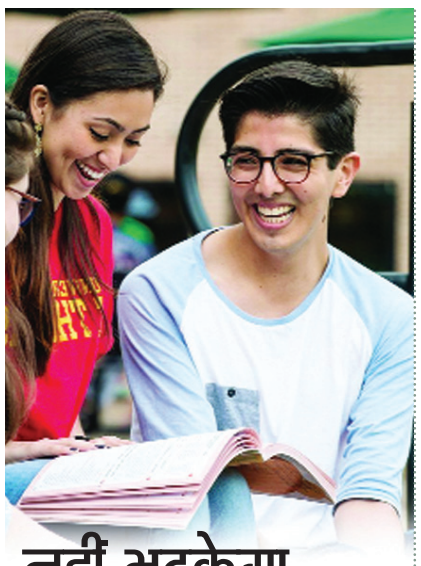

नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन, इन टिप्स को अपनाएं

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

कजाकिस्तान में सस्ती है एमबीबीएस की पढ़ाई

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं।

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं। लेकिन इस साल भारत में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी वाला मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहा। जिसके कारण 50 दिन बर्बाद हो गए हैं। वहीं जून-जुलाई में विदेशी यूनिवर्सिटीज की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जो बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चलती रहती है। वहीं इस साल भी विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्रो ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

वहीं बाकी के छात्र एमबीबीएस काउंसिलिंग पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। भारत में आई अनिश्चितता से अंतराष्ट्रीय यूनिवर्सिटीज एडमिशन प्रोसेस की डेट्स में बदलाव नहीं करेंगे। इसलिए भारत में नीट परीत्रा पास कर चुके छात्रों के पास अब एक ही ऑप्शन बचा है कि वह एमबीबीएस काउंसिलिंग राउंड में हिस्सा लेकर विदेशी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस के लिए अपनी सीट आरक्षित करें। इससे अगर आपको भारत में सीट नहीं मिली तो कम से कम आपका साल बर्बाद नहीं होगा और विदेश में एमबीबीएस के लिए सीट मिल जाएगी। क्योंकि कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चीन और रूस आदि देशो में अधिकतर यूनिर्वसिटी वीजा जारी करने से पहले ट्यूशन फीस का भुगतान नहीं लेतीं।

विदेश में एमबीबीएस

हर मेडिकल स्टूडेंट को नेशनल एग्जिट टेस्ट देना अनिवार्य है। इसका मतलब यह हुआ कि भले ही आप एम्स में पढ़ाई कर रहे हों, या किसी डीम्ड यूनिवर्सिटी में या फिर विदेश से स्नातक हों। प्रैक्टिस करने का लाइसेंस पाने के लिए सभी डॉक्टरों को भारत में NExT लाइसेंस परीक्षा पास करनी होगी। NMC भारत और विदेश से स्नातक करने वालों को एक समान मानता है। ऐसे में भारत में प्रबंधन/एमबीबीएस सीटों के लिए छात्र भारी फीस क्यों चुकाए। क्योंकि भारत में 1 करोड़ रुपए लागत वाली सीट भी प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस नहीं दे सकती है। ऐसे में यहां पर सरकारी सीट के लिए एमसीसी काउंसलिंग से गुजरने और विदेश में कम फीस वाले शीर्ष रैंक कॉलेज में अपनी सीट आरक्षित करने के ऑप्शन को चुनना चाहिए।

जल्दबाजी में न लें एडमिशन

एडमिशन लेना सिर्फ आधे काम को पूरा करना है। स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम के अंत में जब स्टूडेंट वापस भारत आता है, तो उनको FMGE की जगह NExT की परीक्षा देनी होती है। पिछले 10 सालों में लाइसेंस परीक्षा FMGE के रिजल्ट परिणाम साफ दिखाते हैं कि एमबीबीएस में एडमिशन लेने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन असल समस्या बाहर निकलने के बाद है। हालांकि स्थानीय सलाहकार छात्रों को सिर्फ एमबीबीएस में प्रवेश प्रदान करते हैं, बाहर निकलने का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में आपको उन पेशेवर प्रदाताओं के पास जाने की जरूरत है, तो न सिर्फ आपको एडमिशन दे सकते हैं, बल्कि आपको NExT/USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं में मंजूरी की गारंटी भी दे सकते हैं।

कजाकिस्तान की कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी

कजाकिस्तान में एमबीबीएस के लिए कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जो भारतीय छात्रों के लिए एकीकृत NExT बैच के कारण भारत में लाइसेंस के लिए गारंटी प्रदान करता है। वर्तमान समय में इस यूनिवर्सिटी में करीब 1,000 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं यहां पर NExT में 100% उत्तीर्ण अनुपात के साथ ही सफलता की वजह एमबीबीएस कोर्स में एकीकृत 6 साल की NExT कोचिंग है। यह यूनिवर्सिटी पहले साल से ही छात्रों को NExT की तैयारी करवाना शुरू कर देती है। वहीं हर सेमेस्टर के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है। यूनिवर्सिटी में पहले 150 स्टूडेंट्स को 100% स्कॉलरशिप के साथ यह पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है।

बता दें कि अगर आपका नीट स्कोर 500 से कम है, और एमबीबीएस कोर्स का बजट 40 लाख से रुपए से कम है। तो आपको प्लान बी के तहत विदेश से एमबीबीएस करना चाहिए। वरना आप NEET में फिर से एग्जाम देकर अपना एक साल और बर्बाद करेंगे।

आपको किसी ऐसे एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेना चाहिए, जो NExT/USMLE जैसी लाइसेंसी परीक्षाओं के लिए छात्रों को न तैयार करता हो। क्योंकि बिना लाइसेंस के भारत में डॉक्टर बनने की संभावना बेहद कम है। अगर आप न्यूरोलॉजिस्ट, त्वचा रोग विशेषज्ञ या हृदय रोग विशेषज्ञ आदि बनना चाहते हैं, तो आपको शुरूआत से ही USMLE की तैयारी करनी चाहिए।

वर्तमान समय में देखा जाए तो कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है। आप कजाकिस्तान के शीर्ष रैंक वाले सरकारी कॉलेज कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटेड एनईएक्सटी प्रोग्राम में एडमिशन ले सकते हैं। यहां पर आप NExT की भी तैयारी कर लेंगे। भारत से पहले 150 आवेदकों को इस यूनिवर्सिटी में NExT कोचिंग निःशुल्क यानी की फ्री में कराई जाती है। वहीं अगर आपका बजट अधिक यानी की 45 लाख रुपए के आसपास है। तो आप जॉर्जिया में एमबीबीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका में पीजी के लिए जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एकीकृत अमेरिकी कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जबरदस्त करियर का नया रास्ता, मैनेजमेंट में करें पीएचडी

प्रबंधन यानी मैनेजमेंट में पीएचडी छात्रों के बीच लोकप्रिय ऑप्शन है। यह एक प्रतिष्ठित डिग्री आपका प्रोफेशनल प्रोफाइल बेहतर बनाती है। इंडस्ट्री और शिक्षा क्षेत्र में लीडरशिप रोल के लिए इसमें कई बेहतर मौके मौजूद हैं। अगर करियर में सुधार चाहते हैं तो यह डिग्री आपके लिए सही हो सकती है। बिजनेस और मैनेजमेंट की दुनिया में आजकल ज्यादा पढ़ाई करना जरूरी है। बहुत सारे स्टूडेंट्स मैनेजमेंट में पीएचडी करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह कोर्स अपने क्षेत्र के बारे में गहरी जानकारी देता है। अगर आप ऐसे में भविष्य में कामयाब होना चाहते हैं, तो मैनेजमेंट पीएचडी करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मैनेजमेंट में पीएचडी करने के बाद आपके पास बहुत सारे अच्छे जॉब के मौके होंगे। मैनेजमेंट पीएचडी करके छात्र अपनी यूनिवर्सिटी में लेक्चरर, पॉलिसी एनालिस्ट, स्ट्रेटेजिक मैनेजर, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट, मैनेजमेंट कंसल्टेंट, चीफ एक्जीक्यूटिव, ऑफिसर, क्वांटिटेटिव एनालिस्ट और बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। यह डिग्री आपको पढ़ाने और नौकरी, दोनों ही क्षेत्रों में काम करने का मौका देती है और जॉब की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मैनेजमेंट पीएचडी कोर्स पूरी दुनिया में मान्य है और आप बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के लिए योग्य बन जाते हैं। इस कोर्स से आप एक अच्छे विचारक, समस्याओं का हल निकालने वाले, बेहतर निर्णय लेने वाले और कुशल योजनाकार बनते हैं। इसके साथ आप मैनेजमेंट, काम सौंपने, बातचीत करने और मुश्किल व्यावसायिक परिस्थितियों को संभालने में भी माहिर बनते हैं।

बढ़ रही है मैनेजमेंट में पीएचडी की मांग

कोविड-19 महामारी ने दुनियाभर में उथल-पुथल के बाद दुनिया ने ऐसे लीडर्स की जरूरत महसूस की जो मुश्किल समय में भी सही फैसले ले सकें। मैनेजमेंट में पीएचडी से न सिर्फ छात्र, बल्कि उन कंपनियों को भी फायदा मिलता है जिन्हें अनिश्चित समय में नेतृत्व करने वाले कर्मचारियों की जरूरत है और नए जमाने की प्रतिभा रणनीतियों को लागू कर सकें।

शोध और नवाचार

पीएचडी प्रोग्राम शोध और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। स्टूडेंट्स को नए विचारों पर काम करने, नई रणनीतियां बनाने के साथ मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपने ज्ञान का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आज के समय की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और प्रगति करने के लिए रिसर्च करना बहुत जरूरी है।

शैक्षणिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग

ज्यादातर मैनेजमेंट पीएचडी प्रोग्राम शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग पर जोर देते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को प्रैक्टिकल जानकारी और असल दुनिया का अनुभव दोनों मिले, जिससे उनकी रिसर्च प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। इससे थ्योरी ज्ञान और प्रैक्टिकल उपयोग के बीच की खाई को पाटने में भी मदद मिलती है।

क्या पीएचडी करना आपके लिए सही है?

पीएचडी में दाखिला लेने से पहले, यह सोचने की जरूरत है कि क्या यह आपके करियर के लक्ष्यों के हिसाब से सही है। पीएचडी प्रोग्राम काफी कठिनाई भरे हो सकते हैं। इसके लिए पूरी लगन और रिसर्च के प्रति जुनून की जरूरत होती है। अगर आप हमेशा खुद को बेहतर बनाते रहने और करियर को आगे बढ़ाने में यकीन करते हैं, तो मैनेजमेंट में पीएचडी आपके लिए सटीक कदम है। मैनेजमेंट में पीएचडी धीरे-धीरे छात्रों के बीच लोकप्रिय हुआ है। यह प्रतिष्ठित डिग्री आपके प्रोफेशनल प्रोफाइल को बेहतर बनाती है। आज के समय में, जब कंपनियां अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोगों की तलाश कर रही हैं, तब यह डिग्री अच्छी नौकरियां व करियर में तरक्की दिलाने में सक्षम है।

नई टेक्नोलॉजी के आने से तेजी से विकसित हुई है भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री

भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है।

किसी भी देश व सभ्यता के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत में भी यह इंडस्ट्री देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है। अब यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्कैंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। जिसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए, बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के निर्माण में पॉलिमर का विश्लेषण करते हैं। जिनका उपयोग सभी प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

अगर आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मेन्युफैक्चर या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आप कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं। जिसमें मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं है। कोर्स पूरा होने के बाद आप टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रूपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप प्रति माह 50 हजार से एक लाख तक कमा सकते हैं। अगर आपने आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

1 रुपये पर आया एवांस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर

लोअर सर्किट में फंसा, कभी 1 लाख के बनाए थे 3 लाख रुपये

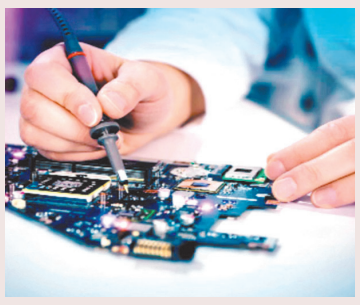

नई दिल्ली, एजेंसी। सुबह-सुबह शेयर मार्केट में तेजी आई। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 300 अंक ऊपर पहुंच गया। वहीं इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर में गिरावट आई और कई में लोअर सर्किट लग गया। इन्हीं में एक ऐसा पेनी स्टॉक है जो बुधवार को गिरकर 1 रुपये पर आ गया। मार्केट खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें भी लोअर सर्किट लग गया। इसका नाम एवांस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड है।

एवांस के शेयर में बुधवार को सुबह ही करीब 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। इसी के साथ यह शेयर 1 रुपये पर आ गया। मंगलवार को यह शेयर 1.05 रुपये

पर बंद हुआ था। इस शेयर का 52 हफ्ते का ऑल टाइम हाई 3.15 रुपये है। जबकि 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 52 पैसे है। इस शेयर का रिटर्न पिछले कुछ समय में मिला-जुला रहा है।

कितना दिया रिटर्न?

पिछले कई दिनों से इसमें लोअर सर्किट लग रहा है। पिछले 5 कारोबारी दिनों की बात करें तो इसमें करीब 25 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। वहीं एक महीने में यह शेयर निवेशकों का काफी नुकसान कर चुका है। इसमें पैसा लगाने वालों की रकम एक महीने में आधी से ज्यादा कम हो गई है। एक महीने पहले इसकी कीमत 2.49 रुपये थी। आज बुधवार को यह शेयर एक रुपये का रह गया। ऐसे में इसमें एक महीने में करीब 60 फीसदी की गिरावट आई है।

एक लाख के बनाए तीन लाख रुपये

इस साल यानी 2025 में करीब तीन महीने ऐसे भी आए जब इसने निवेशकों की जेब भर दी। इस साल जून के आखिरी में इसकी कीमत 73 पैसे थी। वहीं अक्टूबर के शुरुआत में यह 3.15 रुपये पर पहुंच गई थी। ऐसे में इसने करीब साढ़े तीन महीने में निवेशकों को 300 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। यानी इतने समय में इस शेयर ने निवेशकों के एक लाख रुपये को तीन लाख रुपये से ज्यादा में बदल दिया। मतलब, एक लाख रुपये के निवेश पर सीधे दो लाख रुपये का फायदा।

क्या करती है कंपनी?

इस कंपनी की शुरुआत 1985 में वीएमसी सॉफ्टवेयर लिमिटेड के नाम से हुई थी। साल 2003 में इसका नाम बदलकर एवांस टेक्नोलॉजीज कर दिया गया। यह आईटी कंपनी है। यह कंपनी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लाउड सर्विस, डेटा सेंटर मैनेजमेंट और आइओटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट जैसी कई सर्विस देती है। साथ ही यह हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और पेरिफेरल्स जैसे आईटी प्रोडक्ट्स भी बेचती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 198.19 करोड़ रुपये है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक हब बना उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दुनियाभर की कंपनियां मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पर जोर दे रही हैं। असल में कम मजदूरी लागत और कच्चे सामान की उपलब्धता के कारण ज्यादातर कंपनियां

भारत में निवेश कर रही हैं। वहीं उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग व आईटी निवेश में प्रमुख निर्यातक राज्य के तौर पर उभर रहा है। राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का निर्यात 82,000 करोड़ को पार कर गया है। राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में मोबाइल फोन बनाने में उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है, जहां से पूरे देश का 55 फीसदी उत्पादन हो रहा है। 2017 में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 3,862 करोड़ रुपये था। 2024-25 में बढ़कर 44,744 करोड़ हो गया। आईटी निर्यात 55,711 करोड़ से 82,055 करोड़ हो गया है। प्रदेश कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख निर्यातक राज्य के रूप में उभर चुका है। सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2024 लागू होने के बाद इस क्षेत्र में बड़े निवेश की संभावनाएं खुल रही हैं।

निवेश केंद्र के तौर पर उभर रहा यूपी- यूपी कम लॉजिस्टिक्स लागत, बेहतर कानून-व्यवस्था व सिंगल विंडो सिस्टम से लैस युवा कार्यबल ने दुनिया के निवेशकों को आकर्षित किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा, निवेश संरक्षण व इंडस्ट्रियल टाउनशिप आधारित अप्रोच ने औद्योगिक विकास को गति दी है। यूपी का उभरना मतलब देश का टेक्नोलॉजी व विनिर्माण भविष्य महानगरों तक सीमित नहीं रहेगा।

महत्वपूर्ण खनिजों की रिसाइक्लिंग पर सरकार बोली- 1500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना के लिए आगे आई कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। महत्वपूर्ण खनिजों की रिसाइक्लिंग के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना के लिए अब तक बड़ी संख्या में कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार की इस योजना का मकसद देश में द्वितीयक स्रोतों से महत्वपूर्ण खनिजों के

पृथक्करण और उत्पादन के लिए पुनर्चक्रण क्षमता विकसित करना है। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷आवेदन प्राप्त करने के लिए निर्धारित पोर्टल पर अब तक बड़ी संख्या में संस्थाओं ने पंजीकरण कराया है।÷

खान सचिव पीयूष गोयल ने मंगलवार को इस योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में मंत्रालय के अधिकारियों के साथ-साथ जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी), नागपुर (योजना के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी के रूप में नियुक्त एक स्वायत्त संस्थान) के अधिकारी भी शामिल हुए। सचिव ने आवेदन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। यह योजना 2 अक्तूबर 2025 से 1 अप्रैल, 2026 तक छह महीने के लिए आवेदन हेतु खुली रखी गई है। समीक्षा के दौरान, जेएनएआरडीडीसी को हितधारकों को समर्थन देने और योजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन चरण के दौरान परामर्श और सहभागिता सत्र आयोजित करने के लिए कहा गया।

533 रुपये सस्ता मिल रहा अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का 24,930 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह इश्यू देश के सबसे बड़े ऐसे प्रस्तावों में से एक है और 10 दिसंबर, 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के तहत कंपनी 1,800 रुपये प्रति शेयर की दर से कुल 13.85 करोड़ इक्विटी शेयर पेश करेगी। मंगलवार को कंपनी का शेयर 2.71त्न गिरावट के साथ 2333.70 रुपये पर बंद हुआ। यह इश्यू सभी योग्य शेयरधारकों के लिए खुला है।

कंपनी के प्रमोटर्स के पास लगभग 74त्न हिस्सेदारी है। अगर पूरा सब्सक्रिप्शन हो जाता है और कॉल मनी का भुगतान हो जाता है, तो राइट्स इश्यू के बाद कंपनी के कुल इक्विटी शेयर लगभग 129.27 करोड़ हो जाएंगे, जबकि इश्यू से पहले यह संख्या 115.41 करोड़ थी। कंपनी ने 11 नवंबर को राइट्स इश्यू की घोषणा की थी और उसी दिन रिकॉर्ड डेट तय की थी। यह राइट्स इश्यू योग्य इक्विटी शेयरधारकों को राइट्स बेसिस पर पेश किया जा रहा है। इसके तहत, रिकॉर्ड डेट पर हर 25 फुली पेड-अप इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक को 3 राइट्स इक्विटी शेयर मिलेंगे।

पैसों का क्या करेगी कंपनी- राइट्स इश्यू से मिलने वाले पैसों का यूज अगली पीढ़ी के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में किया जाएगा। इनमें एयरपोर्ट, डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सड़कें, पीवीसी और कॉपर स्मेल्टिंग क्षमताएं शामिल हैं। इसके अलावा, इसका उपयोग मेटल्स, माइनिंग, डिजिटल और मीडिया वेंचर्स में भी किया जाएगा, जिन्हें कंपनी इनक्यूबेट कर रही है। कुछ कर्ज चुकाने के लिए भी इस पैसे का इस्तेमाल होगा। सितंबर तक कंपनी का कुल कर्ज 92,065 करोड़ रुपये था। अडानी ग्रुप अगले पांच साल में हर साल 15-20 अरब डॉलर के कैपेक्स की उम्मीद कर रहा है।

बिटकॉइन के छक्के छुड़ा रही पाई नेटवर्क

सबसे महंगी क्रिप्टो रह गई काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय क्रिप्टोकरेंसी बड़े उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। कभी इसमें बड़ी तेजी आ जाती है तो कभी बड़ी गिरावट। इसके चलते निवेशकों के बीच भी चिंता होने लगी है। उन्हें कभी फायदा हो रहा है तो कभी नुकसान। इस गिरावट से दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टो बिटकॉइन भी अछूती नहीं रही है। यह भी बड़े गिरावट के दौर से गुजर रही है। यह अभी भी 90 हजार डॉलर के नीचे कारोबार कर रही है। वहीं पाई नेटवर्क का मिजाज अलग ही नजर आ रहा है।

बुधवार को क्रिप्टो मार्केट में फिर से गिरावट आई। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 0.85 फीसदी गिर गया। इसी के साथ बुधवार सुबह 10ः30 बजे यह 3 ट्रिलियन पर आ गया था। पिछले 24 घंटे में कुछ क्रिप्टो को छोड़कर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी गिरावट के साथ कारोबार कर रही थीं। इनमें बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, सोलाना आदि शामिल हैं।

क्यों आ रही पाई नेटवर्क में तेजी?

पाई नेटवर्क में इन दिनों जबरदस्त तेजी आई हुई है। पिछले एक महीने में यह 0.270 डॉलर (करीब 24 रुपये) तक पहुंच गई है। बात अगर रिटर्न की करें तो एक महीने में इसने 2 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं बिटकॉइन में गिरावट की बात करें तो एक महीने में यह करीब 25 फीसदी लुढ़क चुकी है। पाई नेटवर्क में तेजी आने के कई कारण हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाई नेटवर्क ने यूरोपीय संघ के क्रिप्टो-एसेट रेगुलेशन (स्द्बष्ट) में बाजारों का पूर्ण अनुपालन हासिल कर लिया है। माना जा रहा है कि इसकी कीमत इस महीने 0.30 डॉलर तक जा सकती है।

बिटकॉइन और पाई नेटवर्क में कौन आगे?

पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क ने रिटर्न के मामले में बिटकॉइन को काफी पीछे छोड़ दिया है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार सुबह 10ः30 बजे बिटकॉइन 24 घंटे में एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 87,250 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 7 दिनों में इसमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है।

वहीं पाई नेटवर्क में निवेश करने वालों की मौज आई हुई है। पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क में 2.50त्न की तेजी आई है। इस तेजी के साथ यह क्रिप्टो 0.2440 डॉलर (करीब 21.77 रुपये) पर कारोबार कर रही है। पिछले 7 दिनों में इसमें करीब 8 फीसदी की तेजी आई है। इसमें ऐसे में रिटर्न के मामले में पाई नेटवर्क ने बिटकॉइन को पीछे छोड़ दिया है।

कच्चे तेल में भारी गिरावट की तैयारी! 2027 तक 30 डॉलर प्रति बैरल होने का अनुमान; रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आ सकती है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि मार्च, 2027 तक ब्रेंट क्रूड 30 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकता है। इस संभावित गिरावट का कारण बढ़ती हुई अतिरिक्त आपूर्ति है, जो स्थिर मांग वृद्धि को दबा सकती है। अभी यह 60 डॉलर प्रति बैरल है। तीन वर्षों में तेल की खपत में वृद्धि के बावजूद आपूर्ति में वृद्धि विशेष रूप से गैर-ओपेक प्लस उत्पादकों से वैश्विक बाजार को प्रभावित करेगी। इससे कीमतों पर भारी असर पड़ेगा।

वैश्विक तेल मांग 2025 में बढ़कर 10.5 करोड़ बैरल रोजाना तक पहुंचने की उम्मीद है। 2026 में भी इसी गति से वृद्धि जारी रहेगी। 2027 में इसमें और तेजी आएगी। इस स्थिर वृद्धि के बावजूद जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2025 और 2026 में आपूर्ति मांग की दर से तीन गुना बढ़ेगी। 2027 में आपूर्ति वृद्धि धीमी होने के बावजूद यह बाजार की जरूरी क्षमता से काफी ऊपर रहेगी। कच्चा तेल साल के अंत तक 50 डॉलर के निचले स्तर तक गिर सकता है। 2027 में औसतन 42 डॉलर के आसपास रह सकता है। हालांकि, पूरी गिरावट शायद न हो, लेकिन स्वैच्छिक व अनैच्छिक उत्पादन कटौती के जरिये पुनर्संतुलन होगा।

गैर ओपेक प्लस देश के बाहर से आएगा 50 फीसदी उत्पादन...

जेपी मॉर्गन ने कहा 2027 तक अपेक्षित अतिरिक्त आपूर्ति का आधा हिस्सा गैर ओपेक प्लस देश के बाहर से आएगा। ऑफशोर परियोजनाएं, जिन्हें कभी महंगी और चक्रीय माना जाता था, एक विश्वसनीय विकास स्रोत के रूप में विकसित हुई हैं। इनकी मांग भी ज्यादा हो रही है।

कंपनियों को होगा लाभ लेकिन ग्राहकों को नहीं

तेल आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को कम कच्चे तेल की कीमतों से आर्थिक लाभ मिल सकता है। हालांकि, ग्राहकों को इसका फायदा नहीं मिलेगा। दो वर्षों से कच्चे तेल की कीमतों में कई बार भारी गिरावट आई है, फिर भी देश में डीजल-पेट्रोल की कीमतें ऊंचे भाव पर हैं।

तेल के भंडार में जबरदस्त वृद्धि

उत्पादन में उछाल के कारण भारी मात्रा में भंडार जमा हो गया है। इस वर्ष वैश्विक तेल भंडार में 15 लाख बैरल रोजाना की वृद्धि हुई है। इसमें लगभग 10 लाख तेल-ऑन-वाटर और चीनी भंडारों में संग्रहीत है। इससे संभावित रूप से अधिशेष 2026 में 28 लाख बैरल और 2027 में 27 लाख बैरल रोजाना तक बढ़ सकता है।

ई-कॉमर्स में जारी है हिडन चार्जेस का खेल

एक्स्ट्रा चार्ज ले रही हैं कंपनियां, सर्वे में सामने आई बात

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, मेकमाईट्रिप, क्लियरट्रिप, बिगबास्केट (बिगबास्केट), एक्सेलिया, नेटमेड्स, टाटा, जोमैटो, ब्लिंकिट और इक्सिगो जैसी बड़ी कंपनियों ने दावा किया था कि उन्होंने डार्क पैटर्न हटा दिए हैं। लेकिन लोकलसर्किल्स के एक सर्वे के मुताबिक, जांच में पाया गया कि ये अब भी ड्रिप प्राइसिंग (शुरुआत में कम दाम दिखाकर बाद में एक्स्ट्रा चार्ज जोड़ना) का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिन 26 प्लैटफॉर्म्स ने सरकार को लिख कर दिया था कि वे डार्क पैटर्न फ्री हैं, उनमें से 21 पर अब भी ग्राहकों को फंसाने का तरीका मौजूद है।

कहां ज्यादा (7 या ज्यादा) गड़बड़?

डिजिटल लेंडिंग, एडटेक, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, ओटीटी, ऐप टैक्सी, फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स, सॉफ्टवेयर एप्स, दवाई और हेल्थ सर्विस, ट्रैवल फ्लाइट और ट्रेन टिकट मूवी/इवेंट टिकट, ऑनलाइन पेमेंट, ऑनलाइन गेमिंग, रियल एस्टेट, इंश्योरेंस, विदेशी मुद्रा, ब्रॉडबैंड और नौकरी खोजने वाली साइट्स ।

कहां है कम (4-6 तरह) गड़बड़?

ट्रेन टिकट बुकिंग, मोबाइल टेलीकॉम, वॉयस असिस्टेंट, डाइनिंग सर्विस, सरकारी सेवाएं, होम हेल्थ सर्विस, इलेक्ट्रिक स्कूटर, ऑनलाइन ट्रेडिंग, पुरानी कारों की बिक्री, पैथोलॉजी लैब, क्रिप्टोकरेंसी, डेटिंग मैट्रिमोनियल एप्स और ऑनलाइन जूलरी।

प्रोफेसरी छोड़ केंचुओं में लगा दी पूरी गणित...सिर्फ 500 से शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के भिवानी स्थिति एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रहे प्रमोद सहारन की लॉकडाउन ने जिंदगी बदल दी। सिविल इंजीनियरिंग में एम.टेक प्रमोद ने इस दौरान अपने बचपन के शौक बागवानी को फिर से जिया। पौधों की अच्छी ग्रोथ के लिए वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें इसकी बनावट और बनाने की प्रक्रिया में दिलचस्पी हुई। यह दिलचस्पी जल्द ही एक सफल व्यवसाय में बदल गई। इससे प्रमोद आज सालाना करीब 30 लाख रुपये कमा रहे हैं। सिर्फ 500 रुपये में 1 किलो केंचुए खरीदकर उन्होंने इसकी शुरुआत छोटे-से प्रयोग के तौर पर की थी। फिर अपनी प्रोफेसर की नौकरी छोड़कर वह वर्मीकम्पोस्ट बनाने के काम में ही जुट गए। आज वह इस क्षेत्र में एक मिसाल बन गए हैं। आइए, यहां प्रमोद सहारन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 500 से शुरुआत

सिविल इंजीनियरिंग में एम. टेक और हरियाणा में भिवानी के एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रहे प्रमोद सहारन के लिए कोरोना लॉकडाउन ने उन्हें बचपन के शौक बागवानी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। पौधों के लिए स्थानीय दुकान से वर्मीकम्पोस्ट खरीदने के दौरान उनकी रुचि इसे बनाने में बढ़ी। अपने प्रयोग की शुरुआत करते हुए उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से 500 रुपये में आइसेनिया फीटिडा किस्म के 1 किलो केंचुए खरीदे, जो भारतीय मौसम में खाद बनाने के लिए उपयुक्त माने जाते हैं। उन्होंने केंचुओं को गाय के गोबर के साथ घर के बगीचे के एक कोने में रखा ताकि उनका विकास चक्र देखा जा सके। प्रमोद ने पाया कि ये केंचुए हर डेढ़ महीने में दोगुने हो जाते हैं।

नौकरी छोड़ काम पर पूरा फोकस

प्रयोग की सफलता और व्यवसाय की क्षमता को देखकर प्रमोद ने अपनी नौकरी छोड़ दी। मार्च 2021 में उन्होंने 300 रुपये प्रति किलो की दर से 60 किलो केंचुए खरीदे। फिर उन्हें हिसार के कैमरी गांव में अपने खेत में ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने 4 फीट चौड़े और 30 फीट लंबे पांच वर्मीकम्पोस्ट बेड बनाए। हर एक बेड पर लगभग 12 किलो केंचुए और 1700 से 1800 किलो गाय का गोबर डाला गया। हर एक बेड की लागत 1600 रुपये आई (केंचुओं और गोबर पर कुल 22,000 रुपये का खर्च)। जून तक, इन पांचों बेड से 40 क्विंटल (4,000 किलो) वर्मीकम्पोस्ट तैयार हो गया। प्रमोद ने इसे औसतन 12 रुपये प्रति किलो की दर से बागवान और सब्जी उत्पादकों को बेचा। कुल रेवेन्यू 48,000 रुपये रहा। इससे 26,000 रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस पहले मुनाफे ने प्रमोद को विश्वास दिलाया कि वर्मीकम्पोस्ट एक आकर्षक व्यावसायिक अवसर है।

कई गुना बढ़ा दिया प्रोडक्शन

शुरुआती सफलता के बाद प्रमोद ने अपने पैतृक खेत के लगभग एक एकड़ खाली पड़े हिस्से का इस्तेमाल करने का फैसला किया। उन्होंने 2021 से 2024 के बीच अपने उत्पादन को पांच बेड से बढ़ाकर 50 और फिर 85 बेड तक पहुंचाया। वर्तमान में, उनके एक एकड़ के परिसर में 120 वर्मीकम्पोस्ट बेड, प्रोसेसिंग मशीनें और एक पैकेजिंग और भंडार क्षेत्र है। एक बेड को तैयार होने में तीन महीने लगते हैं। इसके बाद उसे ताजा करना पड़ता है, यानी एक बेड से साल में तीन उत्पादन चक्र लिए जा सकते हैं। इस कैलकुलेशन के अनुसार, 120 बेड से सालाना तीन चक्रों में कुल 2700 क्विंटल (2.70 लाख किलो) वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन होता है।

अब सालाना 30 लाख की कमाई

प्रमोद तैयार वर्मीकम्पोस्ट को छोटे पैकेटों (5 किलो बैग 70 रुपये और 1 किलो 15 रुपये) में बेचते हैं। उनके कुल बिक्री का केवल 15त्न नर्सरी को जाता है। बाकी किसान और बागवान सीधे उनकी यूनिट से खरीदारी करते हैं। वर्मीकम्पोस्ट का औसत रेट 800 रुपये प्रति क्विंटल बैठता है। इससे उन्हें सालाना लगभग 22 लाख रुपये की आय होती है। इसके अलावा, वह उन किसानों को भी केंचुए बेचते हैं जो नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। केंचुओं का रेट मांग और मौसम के आधार पर 100 रुपये से 200 रुपये प्रति किलो के बीच रहता है।

रोहित शर्मा बिना खेले फिर वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज

डेरिल मिचेल को पीछे छोड़ा, टॉप-10 में चार भारतीय

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा फिर आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर टॉप पोजिशन हासिल की। रोहित ने 25 अक्टूबर के बाद से कोई मैच नहीं खेला, उन्हें मिचेल के इंजर्ड होने का फायदा मिला। इंजरी के कारण वे न्यूजीलैंड के 2 वनडे नहीं खेल सके, जिसके चलते उनकी रैंकिंग कम हो गई।

रोहित ने इससे पहले 29 अक्टूबर को पहली बार टॉप पोजिशन हासिल की था। रोहित 38 साल 182 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करके वनडे रैंकिंग में सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज बने थे। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो 38 साल 73 दिन की उम्र में नंबर-1 बने थे। लेकिन, मिचेल ने पिछले सप्ताह उन्हें दूसरे नंबर पर धकेल दिया था। रोहित ने आखिरी वनडे मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अक्टूबर में खेला था। वे सीरीज के टॉप स्कोरर थे। उन्होंने 3 मैच में 202 रन बनाए थे।

बैटर्स रैंकिंग में टॉप-10 में 4 भारतीय - वनडे बैटिंग रैंकिंग में अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। उनकी रेटिंग 764 की है। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल अब नंबर चार पर हैं। विराट कोहली इस वक्त नंबर 5 पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 722 की रेटिंग के साथ नंबर 6 और आयरलैंड के हैरी टैक्टर 708 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर हैं। टॉप-10 में चार भारतीय शामिल हैं।

राशिद खान पहले नंबर पर बरकरार - बॉलर्स रैंकिंग में भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे छठे से सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप-5 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 और इंग्लैंड के जोफा आर्चर नंबर-2 पर बरकरार हैं।

रजा टॉप टी-20 ऑलराउंडर - जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा को उनके दमदार फॉर्म का तोहफा मिला है। उन्हें आईसीसी में टी-20 इंटरनेशनल प्लेयर रैंकिंग में ऑलराउंडर्स की सूची में पहला स्थान मिला है। रजा हाल ही में श्रीलंका और मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ चल रही ट्राई-सीरीज में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ 37 रन बनाए और नौ विकेट से मिली हार के बावजूद चार किफायती ओवर डालकर अपनी टीम के लिए अहम योगदान दिया।

क्लीन स्वीप के बाद टेम्बा बावुमा ने दिया बयान

- हर दिन आप भारत आकर 2-0 से सीरीज नहीं जीत सकते

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद कहा कि यह यह बहुत बड़ी बात है। द. अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत को भारत में टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले यह कमाल 2000 में किया था।

भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

बावुमा ने मैच और सीरीज जीतने पर कहा, यह बहुत बड़ी बात है। मेरे लिए पर्सनली, चोट की वजह से कुछ महीनों से गेम से बाहर था। हर दिन आप भारत आकर 2-0 से सीरीज नहीं जीत सकते। खास बात यह है कि एक ग्रुप के तौर पर हमारे बुरे दिन भी थे और इसका क्रेडिट उन्हें जाता है। हम जो करना चाहते हैं, उसे लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। मुझे लगता है कि हमारी तैयारी कुछ खास है - लोग कंट्रीब्यूट करने के लिए मैदान में उतरते हैं। कोई भी अपने दिन अपनी टीम के लिए ऐसा कर सकता है - यही विश्वास है। उन्होंने कहा, एक टीम के तौर पर हम सच में अच्छी जगह पर हैं। जिस तरह से हमने यहां परफॉर्म किया है, उससे हमारा कॉन्फिडेंस और भी बढ़ेगा। यह एक बड़ी बात है, हर कोई जानना चाहता है कि वे कहां खड़े हैं। लोग अपनी टीम के लिए मैन बनना चाहते हैं। सभी ने कंट्रीब्यूट किया है। हम बड़े 100 नहीं देखते हैं लेकिन हमारे 4-5 लोग कंट्रीब्यूट कर रहे हैं। मैं अपनी टीम के बारे में और भी बहुत कुछ कह सकता हूं लेकिन हां। साइमन को 2015 में भारत में खेलने का एक्सपीरियंस है, वह केशव को काफी अच्छे से कॉम्प्लिमेंट करता है। बॉल के साथ थोड़ी और चालाकी, उनके हाथों से बॉल छीनना मुश्किल है।

पाकिस्तान से भी कमजोर हुई टीम इंडिया, हुई सबसे शर्मनाक बड़ी हार

- 93 साल में पहली बार 408 रन की हार, घर में एक साल में दूसरी बार क्लीन स्वीप
- टीम इंडिया के शर्मसार होने पर फूटा भारतीय दिग्गजों का गुस्सा

गुवाहाटी (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने भारतीय क्रिकेट टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बुरी तरह कुचलते हुए जीत हासिल कर ली है। अफ्रीका ने टीम इंडिया को दूसरी पारी में 140 रन पर आउट करते हुए 408 रन के विशाल अंतर से जीत हासिल की और साथ ही सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। साउथ अफ्रीका ने साल 2000 के 25 साल बाद भारत में दूसरी बार सीरीज जीती है। खास बात ये है कि तब भी साउथ अफ्रीक को 2-0 से ही जीत मिली थी। रनों के अंतर के लिहाज से यह भारतीय क्रिकेट टीम को अपने इतिहास की सबसे बड़ी हार मिली है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम को अपनी सबसे बड़ी हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 2004 में मिली थी, जब नागपुर टेस्ट में कंगारुओं ने टीम इंडिया को 342 रन के अंतर से हराया था। यह साउथ अफ्रीका के लिए भी उनके क्रिकेट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत है। भारत 93 साल के अपने टेस्ट इतिहास में पहली बार 400 रनों से ज्यादा के अंतर से हारा है।

यह पिछले एक साल में भारतीय टीम की घरेलू मैदान पर 7 टेस्ट में पांचवीं हार है। इस दौरान दो बार भारत को घर में क्लीन स्वीप होना पड़ा है। अक्टूबर-नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था। एक साल पहले तक घर में अपराजेय माने जाने वाली भारतीय टीम इस समय घरेलू मैदानों पर दुनिया की सबसे कमजोर टीमों में शामिल हो गई है। पिछले 13 महीनों में पाकिस्तान ने भी भारत से बेहतर खेल दिखलाया है। इस टाइम पीरियड में घर में भारत से ज्यादा मैच सिर्फ जिम्बाब्वे की टीम ही हारी है।

रन	खिलाफ	ग्राउंड	साल
408	साउथ अफ्रीका	गुवाहाटी	2025
342	ऑस्ट्रेलिया	नागपुर	2004
341	पाकिस्तान	कराची	2006
337	ऑस्ट्रेलिया	मेलबर्न	2007
333	ऑस्ट्रेलिया	पुणे	2017

पाकिस्तान ने इसी साउथ अफ्रीका से सीरीज ड्रॉ कराया

जिस साउथ अफ्रीकी टीम ने भारत का क्लीन स्वीप किया है, उसी के खिलाफ पाकिस्तान ने पिछले ही महीने अपने घर में सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराया था। पाकिस्तान ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जीता था। वहीं, दूसरा टेस्ट साउथ अफ्रीका जीता था।दरअसल, दोनों ही टेस्ट में बराबरी का मुकाबला हुआ, लेकिन भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ दोनों मैच एकतरफा अंदाज में हारी।

सिर्फ वेस्टइंडीज को हरा सके - अक्टूबर 2024 से अब तक भारतीय टीम घरेलू मैदानों पर तीन सीरीज खेली है। न्यूजीलैंड ने 3-0 से और साउथ अफ्रीका ने 2-0 से हराया। इन दोनों सीरीज के बीच भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच जीते। यानी 7 में से 5 घरेलू टेस्ट में भारत को हार झेलनी पड़ी।

भारत से बेहतर रहा पाकिस्तान का प्रदर्शन - पाकिस्तान की टीम हर फॉर्मेट में टीम इंडिया से कमजोर मानी जाती है, लेकिन पिछले 13 महीनों में पाकिस्तान ने भी अपने घरेलू मैदानों पर भारत से बेहतर खेल दिखाया है। पाकिस्तान ने इस पीरियड में अपने घर में 7 टेस्ट मैच खेले। इसमें से 4 में उसे जीत मिली और 3 में ही हार झेलनी पड़ी।

कमजोर प्रदर्शन की 3 वजहें..

- **गौतम गंभीर का अंदाज रास नहीं आ रहा** - गौतम गंभीर ने जब से कोचिंग संभाली है, टीम टेस्ट में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पा रही है। घरेलू मैदानों पर टीम का प्रदर्शन और भी लचर हो गया। गंभीर स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों की जगह ऑलराउंडर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं और ये ऑलराउंडर बैटिंग और बॉलिंग दोनों में फेल हो रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दोनों टेस्ट में भारतीय टीम में सिर्फ तीन स्पेशलिस्ट बल्लेबाज उतरे थे।
- **युवाओं का निराशाजनक प्रदर्शन** - युवा खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन भी भारतीय टीम की खराब हालत की जिम्मेदार हैं। पिछले एक साल में यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा, नीतीश रेड्डी, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर जैसे कई खिलाड़ियों ने अहम मौकों पर टीम को संभालने जैसा खेल नहीं दिखाया।कोलकाता टेस्ट से बात करें तो यशस्वी पिछली 4 पारियों में से 3 में 20 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं कर सके हैं। जबकि साई सुदर्शन 2 पारियों में 15 और 14 रन ही बना सके। ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।
- **न पेस खेल पा रहे न स्पिन** - भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या ये है कि भारतीय बल्लेबाज न पेसर्स को खेल पा रहे हैं, न ही स्पिनर्स को। साउथ अफ्रीका सीरीज के खिलाफ भारत ने दोनों टेस्ट मिलाकर 38 विकेट गंवाए, जिनमें 13 पेसर्स ने और 25 स्पिनर्स ने लिए। कप्तान शुभमन गिल गर्दन की ऐंठन के कारण दोनों पारियों में नहीं खेल पाए और इससे बैटिंग लाइनअप और कमजोर दिखी।पिछले एक साल के आंकड़े भी तस्वीर और साफ कर देते हैं। 16 अक्टूबर 2024 से अब तक टीम इंडिया ने घरेलू मैचों में कुल 280 विकेट गंवाए हैं। इनमें से 182 पेसर्स को और 97 स्पिनर्स को मिले हैं। सिर्फ घरेलू पिचों पर गिरने वाले 107 विकेटों में पेसर्स के खिलाफ 34 और स्पिनर्स के खिलाफ 73 बल्लेबाज आउट हुए हैं।

सीरीज हार के बाद गंभीर बोले-

मेरा फैसला बीसीसीआई करेगा, मत भूलिए, मैंने चैंपियंस ट्रॉफी जिताई

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने घरेलू सीरीज में साउथ अफ्रीका से हार की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जिम्मेदारी सबसे पहले मुझ पर आती है।

झ गंभीर ने कहा- किसी एक खिलाड़ी या किसी एक शॉट को दोष नहीं दिया जा सकता। जिम्मेदारी सभी की है और शुरुआत मुझसे होती है। मैंने कभी किसी खिलाड़ी को दोष नहीं दिया और आगे भी नहीं दूंगा। गंभीर से जब उनकी फ्यूचर कोचिंग के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा-मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई करेगा। यह मत भूलिए कि मैंने ही इंग्लैंड में नतीजे दिए। मैं ही चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाला कोच था। भारत को बुधवार को गुवाहाटी टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 408 रनों की हार मिली। रनों के लिहाज से यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी हार है। इसी के साथ टीम पिछले 13 महीनों में दूसरी बार घर में ही क्लीन स्वीप हो गई है।

साउथ अफ्रीकी कोच बोले

चाहता था भारत घुटनों पर रेंगे

गुवाहाटी टेस्ट के चौथे दिन दिया बयान, भारत पर क्लीन स्वीप के करीब टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। यह बयान भारत के खिलाफ ऐतिहासिक सीरीज जीत के करीब पहुंच चुकी साउथ अफ्रीका की क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कोनराड ने दिया है। कोलकाता में पहला टेस्ट जीतने के बाद अफ्रीकी टीम गुवाहाटी में ऐतिहासिक कामयाबी से 8 विकेट दूर है। साउथ अफ्रीका ने भारत को 549 रन का टारगेट दिया है। चौथे दिन की समाप्ति तक मैच की आखिरी पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के विकेट गंवा दिए हैं। रन महज 27 बने हैं। बुधवार को मैच का अंतिम दिन है और यहां से भारत की जीत लगभग असंभव है। साउथ अफ्रीका 25 साल के बाद भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीतने वाला है। इससे पहले साल 2000 में उसने भारत में दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीती थी।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान का मुहावरा दोहराया - पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में अफ्रीकी कोच ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान टोनी ग्रेग के एक मुहावरे को दोहराते हुए कहा- टोनी ग्रेग ने 1976 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से पहले कहा था कि अगर वेस्टइंडीज यह सीरीज जीत जाता है तो वे घुटने के बल चलेंगे। ग्रेग आश्वस्त थे कि इंग्लैंड ही सीरीज जीतेगी। लेकिन, तब वेस्टइंडीज ने सबको चौंकाते हुए पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से जीत हासिल की। इसके बाद ग्रेग फील्ड पर घुटनों के बल चले भी थे।

शाम के समय नई बॉल का फायदा उठाना चाहते थे - कॉनराड बोले, हम चाहते थे कि हमें शाम के समय नई गेंद मिले, क्योंकि उस वक्त विकेट पर छाया पड़ती है और तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है। इसलिए जल्दी डिक्लेयर नहीं करना था। साथ ही हम चाहते थे कि भारतीय फील्डर मैदान पर ज्यादा समय बिताएं, उन्हें थकाएं, ताकि आखिरी दिन उन्हें टिकना मुश्किल हो जाए।

पिच अभी भी बल्लेबाजी के लिए अच्छी है - कॉनराड ने माना कि पिच अब भी बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी है और उन्होंने उम्मीद की थी कि यह ज्यादा टूटेगी। उन्होंने कहा कि अगर वे पहले डिक्लेयर करते और भारत बच जाता तो कोई फायदा नहीं था। हम मानते हैं कि 2-0 की जीत 1-0 से कहीं बेहतर है, इसलिए हम पूरी ताकत से जीत के लिए उतरेंगे। उन्होंने पिच में मौजूद अच्छी बाउंस और लगातार टर्न का भी जिक्र किया और भरोसा जताया कि मार्को यानसन और स्पिनर्स आखिरी दिन काम कर सकते हैं। यानसन ने पहली पारी में 6 विकेट लेकर भारत को बड़ा झटका दिया था।

रोहतक में नेशनल खिलाड़ी की मौत, जिला खेल अधिकारी सस्पेंड

छाती पर गिरा था बास्केटबॉल पोल, पुराने स्पोर्ट्स इक्विपमेंट हटाने का आदेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के रोहतक में बास्केटबॉल कोर्ट गिरने से हुई नेशनल खिलाड़ी की मौत के बाद जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही लाखनमाजरा खेल नर्सरी को भी सस्पेंड करते हुए जांच और खेल उपकरणों में सुधार के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। रोहतक के राजीव गांधी स्टेडियम के इंचार्ज को कमेटी में शामिल किया गया है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने भी 28 नवंबर को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में एक हाई लेवल मीटिंग बुला ली है। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत सभी जिला खेल अधिकारियों को भी बुलाया गया है। उधर, हरियाणा खेल विभाग ने राज्यभर के सभी खेल परिसरों में लगे जर्जर उपकरणों को तुरंत हटाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि लाखनमाजरा में बास्केटबॉल कोर्ट पर लंबे समय से एक खेल नर्सरी चल रही है। यह स्टेडियम ग्राम पंचायत के अधीन है। स्टेडियम का रखरखाव 4 साल से अटका हुआ था। जो पोल खिलाड़ी हार्दिक पर गिरा था, वह नीचे से तरह जंग खा चुका था।

25 नवंबर को प्रैक्टिस करने गया था - मृतक की पहचान लाखनमाजरा के रहने वाले हार्दिक

(16) के रूप में हुई है। हार्दिक 10वीं कक्षा का छात्र था। छोटा भाई 7वीं में पढ़ता है। पिता संदीप फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में नौकरी करते हैं। 25 नवंबर की सुबह हार्दिक प्रैक्टिस करने के लिए लाखनमाजरा गांव में बनी बास्केटबॉल नर्सरी में गया हुआ था।

750 किलो का था पोल, छाती पर गिरा - यहां वह एक्सरसाइज करते हुए दौड़ता हुआ पोल पर लटक गया। तभी पोल उसकी छाती पर आकर गिरा और वह दब गया। बताया गया है कि यह पोल 750 किलो का है। घटना के बाद पास में ही मौजूद दूसरे खिलाड़ी मौके पर पहुंचे और हार्दिक के ऊपर से पोल हटाया। खिलाड़ी हार्दिक को अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जो पोल हार्दिक की छाती पर आकर गिरा, वह करीब 750 किलो का था। जैसे ही हार्दिक उस पर झूला, पोल जमीन से उखड़ गया। यह पोल नीचे से पूरी तरह जंग खा चुका था।

कई नेशनल इवेंट में मेडल जीत चुका - हार्दिक ने कांगड़ा में हुई 47वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा, उन्होंने हैदराबाद में हुई 49वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज और पुडुचेरी में हुई 39वीं यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भी ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

4 साल पहले स्टेडियम की मेंटेनेंस के लिए 11 लाख मिले - 4 साल पहले तत्कालीन राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने लाखनमाजरा पंचायत को 11 लाख रुपए दिए थे। इसके बावजूद पंचायती राज विभाग के अफसर स्टेडियम में मेंटेनेंस नहीं करवा पाए। यह काम अब भी टेंडर प्रक्रिया में उलझा है। इस घटना के बाद हरियाणा ओलिंपिक संघ ने फैसला किया है कि राज्य में अगले तीन दिनों तक कोई भी खेल उत्सव या कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा।

शर्मनाक सीरीज हार के बाद भारत को लगा एक और झटका

डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा टेस्ट 408 रन से हारने और घरेलू मैदान पर 2-0 से सीरीज हारने के बाद भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। भारत को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 स्टैंडिंग में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में शानदार जीत के साथ भारत के यादगार टेस्ट दौरे का अंत 2-0 से क्लीन स्वीप से किया और भारतीय धरती पर अपनी दूसरी टेस्ट सीरीज जीत हासिल की, जो 2000 में ऐतिहासिक जीत के बाद पहली थी। हार का अंतर मेजबान टीम के लिए चौंकाने वाला था। भारत की 408 रन की हार उनके टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी हार है, इस नतीजे ने डब्ल्यूटीसी 2025-27 साइकिल में उनके शुरुआती अभियान को भी नुकसान पहुंचाया है। डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में भी एक बड़ा बदलाव आया है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका की शानदार जीत ने पॉइंट्स टेबल में टॉप के पास साउथ अफ्रीका की पकड़ मजबूत कर दी है। चार मैचों में 36 पॉइंट्स के साथ मौजूदा चैंपियन 75 पॉइंट्स परसेंटेज पर पहुंच गया जिससे

ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर उसकी पकड़ और मजबूत हो गई। इसके उलट भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया, पाकिस्तान ने उसे पीछे छोड़ दिया, और उसका पीसीटी गिरकर 48.15 हो गया।

गुवाहाटी में सीरीज का फैसला करने वाला मैच साउथ अफ्रीका के लिए अनिश्चित रूप से शुरू हुआ, लेकिन सेनुरन मुथुसामी के दमदार शतक (109) और मार्को जेनसेन के लगभग शतक (93) ने उनकी पहली पारी को 489 के बड़े स्कोर में बदल दिया। फिर जेनसेन ने अपनी लय को बॉलिंग अटैक में भी जारी रखा और भारत को 6/48 के आंकड़े दिए जबकि मेजबान टीम सिर्फ 201 रन ही बना पाई।

फॉलो-ऑन देने के बजाय आराम करने का फैसला करते हुए साउथ अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और बढ़त को पहुंच से बाहर कर दिया और ट्रिस्टन स्टब्स के शांत 94 रन ने घोषणा से पहले उनके 260/5 के स्कोर बना डाला। ऑफ-स्पिनर साइमन हार्मर जो पहले से ही कोलकाता में पिछले टेस्ट के स्टार थे, ने एक और मास्टरक्लास दिया। मैच में पहले 3/64 विकेट लेने के बाद उन्होंने आखिरी दिन इंडिया को पूरी तरह से तोड़ दिया और 6/37 विकेट लेकर मैच खत्म किया।

एडेन मार्करम ने इतिहास रचा, एक टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम ने टेस्ट मैच खेलते हुए एक फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में यह कामयाबी हासिल की। मार्करम ने मैच में 9 कैच पकड़े, जो टेस्ट इतिहास में किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा हैं, उन्होंने अजिंक्य रहाणे के 8 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साउथ अफ्रीका ने गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में भारत को 408 रनों से बुरी तरह हराया, जिससे सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप हो गई। यह हार टेस्ट क्रिकेट इतिहास में रनों के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी हार है, जिसमें साइमन हार्मर के

करियर के बेस्ट 6/37 ने प्रोटियाज की जीत में अहम भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका की जीत भी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि यह 25 साल में भारत में उनकी पहली सीरीज जीत है, जिसमें कप्तान टेम्बा बावुमा भी हैंसी क्रोनिए के साथ रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं। मार्करम ने अपनी टीम की कोशिशों की तारीफ की और भारत में अपनी ऐतिहासिक 2-0 की सीरीज जीत का क्रेडिट टीम की पहले से बनी सोच की कमी और अच्छे सीमर और स्पिन बॉलिंग पर ध्यान देने को दिया।

सुपर-स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता समय की मांग

सीएम केयर योजना के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए औपचारिकताएँ प्राथमिकता से करें पूर्ण : शुक्ल

भोपाल, नप्र।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में सीएम केयर योजना अंतर्गत प्रस्तावित सुपर-स्पेशलिटी स्वास्थ्य अधोसंरचना के शीघ्र विस्तार के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों को जटिल हृदय रोग, कैंसर एवं अन्य उच्च स्तरीय उपचारों के लिए अब बाहर जाने की आवश्यकता न रहे, इसके लिए योजना का प्राथमिकता से क्रियान्वयन आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सुपर-स्पेशलिटी सीटों की उपलब्धता बढ़ाने, तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रहा है। बताया गया कि वर्तमान में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमडी/एमएस की 1909 सीटें, डीएम की 41 सीटें तथा एम.च. की 43 सीटें स्वीकृत हैं। उन्होंने कहा कि सुपर-स्पेशलिटी शिक्षा के विस्तार से प्रदेश में हृदय रोग, कैंसर, रेडियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, युरोलॉजी सहित अन्य जटिल बीमारियों के उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयुष्मान भारत के उपचार डेटा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, जनरल मेडिसिन, युरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और सीटीवीएस जैसी सुपर-स्पेशलिटी सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। आयुष्मान योजना में कैंसर के कीमोथेरेपी, डायलिसिस संबंधित, एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी, रेडियोथेरेपी, सीटी-एमआरआई-पीईटी स्कैन, सीटीवीएस-लैप्रोस्कोपी आदि तृतीयक सेवाओं की संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी स्थिति में भविष्य की मांग अनुसार शीघ्र तैयारी पूर्ण कर स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं का विकास करना होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुपर-स्पेशलिटी विभागों के उन्नयन, आवश्यक मानवबल, उपकरणों, इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण तथा संबंधित अनुमतियों की प्रक्रिया को युद्धस्तर पर पूर्ण किया जाए, ताकि सीएम केयर योजना का लाभ शीघ्र आमजन तक पहुँच सके। सीएम केयर योजना का उद्देश्य प्रदेश में कार्डियक और ऑन्कोलॉजी उपचार को उच्च गुणवत्ता के साथ सुलभ बनाना है। इसके अंतर्गत ऑन्कोलॉजी/ऑन्को-सर्जरी, कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस में अधिक सुपर-स्पेशलिस्ट तैयार करना, कार्डियक एवं कैंसर उपचार के तृतीयक ढांचे को मजबूत करना, उन्नत उपचार पर होने वाले जेब खर्च को घटाना, कार्डियोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी में उत्कृष्टता संस्थान विकसित करना, राज्य में रोबोटिक सर्जरी और ऑर्गन ट्रांसप्लांट कार्यक्रम सुदृढ़ीकरण शामिल है। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरुणा कुमार सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय विभाग मानवीय संवेदनाओं से संचालित विभाग : मंत्री श्री कुशवाह

मंत्री श्री कुशवाह ने दो वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा

भोपाल । सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि विभाग का मूल उद्देश्य समाज के असहाय और कमजोर वर्गों तक संवेदनशीलता के साथ योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग केवल प्रशासनिक कार्यवाही का ढांचा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना से संचालित एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसका केन्द्र बिंदु जरूरतमंद नागरिकों का सशक्तिकरण है। मंत्री श्री कुशवाह ने यह बात विभागों के 2 वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा बैठक में कही। मंत्री श्री कुशवाह ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, निराश्रितजन, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं सहित सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता मिलना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पेंशन योजनाओं के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए और फील्ड स्तर पर हितग्राहियों से सीधा संवाद बढ़ाया जाए। मंत्री श्री कुशवाह ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का त्वरित निराकरण, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करते हुए विभागीय सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सबसे कमजोर लोगों के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने आगामी समय में विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार और डिजिटल सेवाओं को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया।

बीएलओ ड्यूटी में लगे कर्मचारियों का शोषण, प्रशासन पर आरोप

कर्मचारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेजा पत्र, मुआवज़े और राहत की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) ड्यूटी में लगे कर्मचारियों ने प्रशासन पर शोषण और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि एसआईआर पत्रक निर्धारित समय सीमा में भरकर जमा करने के लिए अधिकारी अनावश्यक दबाव बना रहे हैं, जिससे कर्मचारियों पर कार्यभार असहनीय हो गया है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखा है। पत्र में मांग की गई है कि बीएलओ ड्यूटी में लगे कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव बंद किया जाए तथा उनके साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार किया जाए। साथ ही अब तक कार्य दबाव के कारण आत्महत्या कर चुके कर्मचारियों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग भी की गई है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि अब तक पांच बीएलओ कर्मचारियों ने कार्यभार और मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या की है, जबकि दर्जनों कर्मचारी अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ का कार्य पहले भी होता था, लेकिन इस बार स्थिति असहनीय रूप ले चुकी है। छुट्टी वाले दिनों में भी कर्मचारियों से काम कराया जा रहा है, जिससे परिवार और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। अशोक पांडे ने आरोप लगाया कि स्थाई कर्मचारी, संविदा कर्मचारी और दैनिक वेतनभोगियों पर चुनावी कार्यों के नाम पर लगातार दबाव डाला जा रहा है, जो कर्मचारियों के मानव अधिकारों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही निर्वाचन आयोग ने इस दिशा में समाधान और राहत प्रदान नहीं की, तो कर्मचारी मंच राज्यव्यापी आंदोलन करेगा और आयोग का ध्यान आकर्षित करेगा।

मंच ने प्रशासन से स्पष्ट कहा है कि बीएलओ के कार्यों में सहयोग, प्रशिक्षण और समयसीमा में लचीलापन दिया जाए तथा कर्मचारियों का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रवक्ताओं से किया संवाद

भोपाल । राष्ट्रीयवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित दादा पवार ने आज जूम के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस में पार्टी के सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश प्रवक्ताओं से विस्तृत चर्चा की। लगभग एक घंटे चली जूम मीटिंग के दौरान उन्होंने पार्टी की विचारधारा, नीतियों और प्रवक्ताओं की ज़िम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी प्रवक्ताओं को एकजुट होकर, तथ्यों एवं मर्यादा का पालन करते हुए पार्टी नेतृत्व का पक्ष रखने के निर्देश दिए।दादा ने सोशल मीडिया के उपयोग पर भी गम्भीर चर्चा करते हुए कहा कि हमारे प्रवक्ताओं को अभी इस पर बहुत ध्यान देने की ज़रूरत है । इस महत्त्वपूर्ण बैठक का संचालन श्री नरेश अरोरा ने किया तथा संवाद को प्रभावी व उपयोगी बनाने के लिए प्रवक्ताओं को अपनी बात रखने के लिए प्रेरित करते हुये विचार रखने का अवसर दिया ।

प्रदेश में 72% घरों में नल-जल-बड़ी उपलब्धि

बड़ी कार्रवाई : कई एजेंसियां ब्लैकलिस्ट, सीबीआई केस, योजनाओं की जांच

भोपाल, नप्र।

मध्यप्रदेश ने जल-जीवन मिशन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, लेकिन सरकार ने साफ कर दिया है कि 'नल से जल' की राह में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी। 72 प्रतिशत घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाने की बड़ी उपलब्धि के बीच शासन ने अनियमितताओं पर अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई करते हुए 280 एजेंसियों और 22 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट, 30 करोड़ की पेनाल्टी, फर्जी बैंक गारंटी पर सीबीआई केस, और गलत डीपीआर तैयार करने वाले 141 अधिकारियों व 187 एजेंसियों को नोटिस जारी किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन की समीक्षा बैठक ने स्पष्ट कर दिया है कि जल-जीवन मिशन अब जीरो टॉलरेंस मोड पर कार्य करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर नल से जल' के विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों को लागू करने में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सक्रिय है। मुख्य सचिव ने मंत्रालय में विस्तृत समीक्षा करते हुए शेष बची योजनाओं में कार्य को गति बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि हर ग्राम के हर घर तक स्वच्छ पेयजल समय पर पहुंच सके। उन्होंने 80 लाख 52 हजार 82 ग्रामीण घरों को दिए गए नल कनेक्शन पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि मध्यप्रदेश अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

पुनरीक्षण परीक्षण समितियां गठित, 8,358 योजनाओं की दोबारा जांच

मुख्य सचिव के निर्देश पर प्रमुख सचिव पी. नरहरि ने जिलेवार पुनरीक्षण योजना परीक्षण समितियाँ गठित कीं। इन समितियों ने 8,358 एकल ग्राम नल-जल योजनाओं की पुनरीक्षित डीपीआरों का परीक्षण पूरा कर लिया है। रिपोर्ट में हर योजना में जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की स्पष्ट पहचान करने को कहा गया है। सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि छोटी से छोटी विसंगति भी बख्शी नहीं जाएगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दो टूक कहा कि किसी भी योजना में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही से कोई समझौता नहीं होगा। रोड रीस्टोरेशन सहित सभी कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी और मिशन में जुड़े हर अधिकारी व एजेंसी की जवाबदेही तय होगी। बैठक में बताया गया कि पिछले एक वर्ष से केंद्र से बजट मिलने की प्रतीक्षा के बावजूद राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से ही जल-जीवन मिशन के कार्य जारी रखे। इसी कारण मध्यप्रदेश अग्रणी स्थिति बनाए रखने में सफल रहा है।

अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई, 280 एजेंसियां ब्लैकलिस्ट : समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव पी. नरहरि ने बताया कि कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर 280 एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट, तथा 22 ठेकेदारों के अनुबंध निरस्त कर उन्हें भी ब्लैकलिस्ट किया गया है। गुणवत्ता में कमी और टेंडर प्रक्रिया के उल्लंघन पर 10 अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। फर्जी बैंक गारंटी प्रस्तुत करने पर संबंधित ठेकेदार का अनुबंध समाप्त करते हुए सीबीआई जांच की सिफारिश की गई। अब तक 30 करोड़ रुपये का जुर्माना विभिन्न एजेंसियों पर लगाया गया है।

141 अधिकारी और 187 एजेंसियों को नोटिस : कुछ एकल ग्राम नल-जल योजनाओं में मजरे, पाड़े और टोलों के छूट जाने की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया। इसके चलते 141 मैदानी अधिकारियों (उपयंत्री से कार्यपालन यंत्री तक) और 187 डीपीआर तैयार करने वाली एजेंसियों को नोटिस जारी किए गए हैं। स्पष्ट किया गया कि डीपीआर की त्रुटियां ग्रामीण परिवारों को

भोपाल में आईएएस सर्विस मीट 19 दिसंबर से होगी शुरू

भोपाल, नप्र। नियम-कायदों और ई-ऑफिस सिस्टम पर कामकाज के बीच एमपी कैडर के आईएएस अफसरों का जमावड़ा 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक भोपाल में रहेगा। जिलों में पदस्थ सहायक कलेक्टर, कलेक्टर, संभागायुक्त से लेकर प्रमुख सचिव और मुख्य सचिव तक सभी अधिकारी इन तीन दिनों में एक साथ मिलकर मस्ती और उत्सव का आनंद लेंगे।

इसको लेकर मध्य प्रदेश आईएएस एसोसिएशन ने आईएएस सर्विस मीट 2025 की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

एमपी आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव ने 2025 की आईएएस सर्विस मीट 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित होने की पुष्टि की है। श्रीवास्तव ने हर साल की तरह इस बार भी टीमों के गठन और तीन दिनों तक चलने वाले आयोजनों की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं।

सीएम करेंगे सर्विस मीट का शुभारंभ- सर्विस मीट का शुभारंभ, पहले की तरह, इस बार भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी में प्रशासन अकादमी से होगा।

संविधान दिवस पर पुलिस कमिश्नर ने दिलाई शपथ

भोपाल । संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठन व मौलिक कर्तव्यों से अवगत कराते हुए संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों की शपथ दिलाई गई।

आईएएस ने माफी मांगी ,फिर भी लोग आक्रोशित

भोपाल सहित कई जिलों में विरोध प्रदर्शन

भोपाल, नप्र। जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न दे, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। आईएएस अफसर संतोष वर्मा ने रविवार को एमपी अजाक्स का प्रांताध्यक्ष बनने के बाद ये बयान दिया था। इस बयान का विरोध हुआ तो उन्होंने माफी मांग ली। इसके बाद भी उनके खिलाफ ब्राह्मण समाज का आक्रोश कम नहीं हो रहा है।

कई जिलों में होगा विरोध प्रदर्शन- आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ आज कई जिलों में विरोध-प्रदर्शन होंगे। ब्राह्मण समाज के लोग अलग-अलग जिलों में संतोष वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने थाने जाएंगे।

भोपाल में साइबर ठगों से घबराए एडवोकेट ने किया सुसाइड

- **अज्ञात कॉलर ने कहा था-दिल्ली ब्लास्ट में तुम्हारा नाम है, जल्द ही तुम्हें गिरफ्तार कर लेंगे**

शिवकुमार वर्मा, मृतक

भोपाल, नप्र। भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में सोमवार को एक वरिष्ठ एडवोकेट ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा गया है कि किसी व्यक्ति ने फोन पर वकील को बताया था कि दिल्ली में हुई साजिश में तुम्हारा नाम आ गया है। अब जल्द ही तुम्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके शव का बुधवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार 68 वर्षीय शिवकुमार वर्मा बरखेड़ी इलाके में रहते थे। वे वरिष्ठ एडवोकेट थे तथा वर्तमान में वकालत की प्रेक्टिस करते थे। मंगलवार रात करीब 7:30 बजे उन्होंने अपने घर में फांसी लगा ली। इलाज के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर जांच शुरू की।

सुसाइड नोट में क्या लिखा- पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला है जिसमें वर्मा ने लिखा है कि पिछले दिनों उनके पास किसी अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया था। उसने कहा था कि तुम्हारा नाम हाल ही में दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम धमाके में आया है। जानकारी सामने आई है कि आतंकी साजिश में तुम्हारे बैंक खाते से फंडिंग की गई। यह फोन आने के बाद से वे तनाव में रहने लगे थे।

पाल में पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

बीड़ी न पिलाने से नाराज था आरोपी, रात को विवाद किया, सुबह मार दिया

भोपाल, नप्र। भोपाल के गौतम नगर इलाके में पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। वारदात बुधवार सुबह करीब 5 से 6 बजे की बताई जा रही है। हत्या महज एक बीड़ी ना पिलाने से नाराज होकर की गई है। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित के मुताबिक 50 वर्षीय सुरेश कुशवाहा मजदूरी का काम करता था और गौतम नगर थाने के करीब फुटपाथ पर सोता था। कार्तिक राठौर नाम के आरोपी ने युवक का सिर कुचलकर मौत के घाट उतारा। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रात को विवाद किया, सुबह की हत्या : पुलिस के अनुसार, आरोपी का कल (मंगलवार) जन्मदिन था। रात में वह रास्ते से गुजरते समय सुरेश के पास आया और बीड़ी मांगी। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। सुबह कार्तिक दोबारा मौके पर आया, आसपास से पत्थर उठाया और सुरेश के मुंह को कुचल दिया। इसके कुछ देर बाद वह दोबारा लौटा, ये देखने के लिए कहीं वह जिंदा तो नहीं है और एक बार और पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी।

थाने से 100 मीटर की दूर हुई वारदात : बताया जा रहा है कि आरोपी ने थाने से गरीब 100 मीटर की दूरी पर वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि पुलिस ने उसे दो घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

मप्र में 2 दिन बाद फिर बढ़ेगी ठंड, लुढ़केगा पारा

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में बादल छाए; दिसंबर में कड़ाके की ठंड का दौर

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन बाद ठंड का असर फिर से बढ़ेगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में बादलों की वजह से पारे में बढ़ोतरी है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, प्रदेश में बादल जरूर छाए हैं, लेकिन बारिश होने का अनुमान नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी राज्य- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी जरूर हो रही है, लेकिन विंड पैटर्न यानी, हवा की दिशा बदलने की वजह से उत्तरी हवाएं प्रदेश में नहीं आ रही है। दूसरी ओर, बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव है। जिसकी वजह से प्रदेश में हल्के बादल है। इससे दिन में ठंडक बढ़ गई है, जबकि रात के तापमान में 5 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

सोमवार-मंगलवार की बात करें तो भोपाल में 15.4 डिग्री, इंदौर में 16.8 डिग्री, ग्वालियर में 10 डिग्री, उज्जैन में 16.7 डिग्री और जबलपुर में तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, नौगांव, रीवा, मुरैना, खजुराहो, चित्रकूट और दतिया में पारा 10 डिग्री से कम रहा।

नौगांव में 8 डिग्री, रीवा में 8.9 डिग्री, मुरैना में 9.4 डिग्री, खजुराहो में 9.6 डिग्री, चित्रकूट में 9.7 डिग्री और दतिया में पारा 9.9 डिग्री दर्ज किया गया। इधर, मंगलवार को दिन में मौसम सर्द रहा। भोपाल समेत कई शहरों में पारा 25 डिग्री के आसपास ही दर्ज किया गया।

इस बार नवंबर में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ा : अबकी बार मध्यप्रदेश ने नवंबर में ही रिकॉर्ड तोड़ दिए। भोपाल में 84 साल बाद सबसे ज्यादा ठंड रही तो इंदौर में 25 साल का रिकॉर्ड टूटा। लगातार 15 दिन तक प्रदेश में शीतलहर भी चली, लेकिन नवंबर के आखिरी सप्ताह में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिल रही है।

पहाड़ों में बर्फबारी जल्दी, इसलिए शीतलहर चली : बता दें कि प्रदेश में 6 नवंबर से ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो गया था। आम तौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े से तेज ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार पहाड़ी राज्य-हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में समय से पहले बर्फबारी हो गई। इस वजह से बर्फीली हवाओं से एमपी भी कांप उठा। भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली। रिकॉर्ड के अनुसार, साल 1931 के बाद शीतलहर के यह सबसे ज्यादा दिन है। दूसरी ओर, यहां रात का पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो ओवरऑल रिकॉर्ड भी रहा। वर्तमान में हवा की दिशा बदल गई है। इस वजह से प्रदेश में उत्तर से ठंडी हवा नहीं आ रही है।

इसलिए पिछले 4 दिन से प्रदेश में कहीं भी शीतलहर नहीं चली। ऐसा ही मौसम अगले चार दिन और बना रहेगा। यानी, इस सप्ताह कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान नहीं है। रात के तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट जरूर हो सकती है, लेकिन दिसंबर के पहले सप्ताह में कड़ाके की ठंड का दौर फिर से शुरू हो जाएगा।

सुबह कोहरे का अलर्ट, इसलिए गाड़ी संभलकर चलाने की सलाह : प्रदेश में ठंड का असर भले ही कम हुआ हो, लेकिन सुबह व रात में कोहरा दा रहा है। इसलिए एक्सपर्ट ने लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने हेल्थ और फसलों को लेकर एडवाइजरी भी जारी की है।

मपी में ठंड से अब तक दो की मौत : कड़ाके की ठंड की वजह से पिछले दो दिन में दो लोगों की मौत भी हो चुकी है। रीवा के अमहिया थाना क्षेत्र स्थित अस्पताल चौराहा पर सड़क किनारे एक व्यक्ति की लाश पड़ी मिली थी। इससे पहले रायसेन में भी एक शख्स की मौत हो चुकी है। परिजनों का दावा है कि ठंड की वजह से ही मौत हुई, लेकिन प्रशासन ने ठंड से मौत होने की पुष्टि नहीं की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक-आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136